मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-13, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 205 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
09 जनवरी 2024
मंगलवार

आज का मौसम
19 अधिकतम
13 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मालदीव सरकार पर अविश्वास का साया, पर्यटन उद्योग लड़खड़ाया

नई दिल्ली , एजेंसी।

पीएम मोदी पर तीन मंत्रियों की टिप्पणी के बाद अब मालदीव की नई सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विपक्षी दल उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग कर रहा है। मालदीव में संसदीय अल्पसंख्यक नेता अली अजीम ने मुइज्जू सरकार को घेरा। उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को हटाने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया है। ज्ञात हो कि मालदीव भारत का पड़ोसी है, लेकिन अब यहां राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सत्ता में आ गए हैं। मुइज्जू ने भारत विरोध के जरिए सत्ता हासिल की है। हालांकि हंगामे के बाद मालदीव सरकार ने मंत्रियों के बयान से पल्ला झाड़ लिया है, तथा उन्हें निलंबित करने की बात भी कही है। मगर असल परेशानी मालदीव के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ने की है। क्योंकि मालदीव के पर्यटन उद्योग ने भी मुइज्जू सरकार के इन मंत्रियों को लताड़ लगाई है। पर्यटन उद्योग संगठन ने कहा कि वह सरकार के कुछ उप मंत्रियों की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों के खिलाफ दिए आपत्तिजनक बयानों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। बयान में कहा गया कि है भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और साथी है। मालदीव के इतिहास में हर संकट की घड़ी में भारत हमारे साथ खड़ा रहा है।

भोपाल में भाजपा जीती, खंडवा में कांग्रेस

भोपाल/ खंडवा। राजधानी के वार्ड 41 में हुए पार्षद उपचुनाव में भाजपा के डा रेहान करीब बाईस सौ वोट से जीत गये हैं। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार को सीधे मुकाबले में हराया। यह सीट जीतने के बाद अब भोपाल नगर निगम के भाजपा के 59 पार्षद हो गए हैं, जबकि कांग्रेस की एक सीट घट गई। अब कांग्रेस के 20 और 5 निर्दलीय पार्षद हैं। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के मो. फहीम रहे। जिन्हें 2253 प्राप्त हुए। वहीं खंडवा में वार्ड क्रमांक 41 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस से प्रत्याशी रहे बबलू उर्फ तारीख पटेल विजयी घोषित हुए हैं। बबलू ने 193 वोट से पार्षद पद का चुनाव जीत लिया है यहां एआईएमआईएम के मुदस्सर खान को 51 वोट मिले। कटनी के दो वार्डो के उपचुनाव भाजपा जीती।

मप्र विधानसभा में नए विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत...

बिरला बोले-कानून सही तो प्रतिपक्ष को सहयोग करना चाहिए अन्यथा चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के निर्वाचित विधायकों का प्रशिक्षण-प्रबोधन कार्यक्रम आज विधानसभा भवन के सभागार में शुरू हो गया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला मप्र के नवनिर्वाचित विधायकों को संसदीय शिष्टाचार और आचरण की सीख देते हुए आदर्श विधायक बनने के गुर सिखा रहे हैं। नव निर्वाचित विधायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कहा, मेरा मानना है कि कानून सही है तो प्रतिपक्ष को सहयोग करना चाहिए। अगर सही नहीं है तो चर्चा करनी चाहिए। कानून बनाते समय तर्कों से चर्चा करें तो कानून बेहतर बनेगा। उन्होंने सदन में परस्पर चर्चा पर जोर दिया और यह भी कहा कि विधानसभा में सत्रों की संख्या नहीं घटना चाहिये।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि बिरला संसदीय अनुभव का खजाना है और उम्मीद है कि इसका लाभ मप्र के विधायकों को मिलेगा। उन्होंने विस अध्यक्ष नरेन्द्र तोमर और संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भी अनुभवी बताया और कहा कि नए विधायकों को इनसे भी सीखने को मिलेगा। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष मंगलवार सुबह कोटा से ट्रेन के जरिए भोपाल पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल महापौर मालती राय आदि ने उनकी अगवानी की।

जोश में होश पर नियंत्रण रखें: तोमर

विधायकों के प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि अच्छा जनप्रतिनिधि बनने के लिए जरूरी है कि उसे नियम-प्रक्रिया की जानकारी हो। आज यह प्रचलन हो गया है कि सदन में चिल्ला कर बोलो तो अच्छा समझ जाएगा। सदन में बात रखते समय जोश दिखे पर वह होश से नियंत्रित हो। गुस्सा आचरण में झलक में नहीं चाहिए। सार्वजनिक हितों के प्रश्नों का अध्ययन होना चाहिए। प्रशिक्षण से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

क्या सीखेंग समझेंगे विधायक

सदन में भूमिका और आचरण कैसा हो, जनहित के मुद्दों को कैसे नियम-प्रक्रिया के अंतर्गत उठाया जाए, बजट चर्चा में किस तरह बात रखें और अन्य विधायी कार्यों की क्या प्रक्रिया है? ऐसे कई पहलुओं को मध्य प्रदेश के विधायक जानेंगे। इसके लिए विधायकों का दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम आज से शुरू हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

भोपाल में नये साल का सूरज दिखा, कोहरे की चाल बदली

भोपाल दोपहर मेट्रो। आज नौ दिन बाद भोपाल में सुबह साढे आठ बजे के आसपास सूरज पूरी तेजी के साथ नजर आया। धूप खिलने से लोगों ने राहत की सांस ली, हालांकि ठंड बरकरार है और सुबह कोहरा भी घना रहा। ज्ञात हो कि मप्र और खासकर भोपाल में पिछले कुछ दिनों से कोहरा चल रहा है। सुबह से शाम तक लगातार कोहरा छाने की अवधि अधिकतम 16 घंटे तक रही है। कई दिन विजिबिलिटी 10 मीटर से 50 मीटर के बीच रही।इस बार यह बदलाव भी देखा गया कि कोहरा ज्यादा देर तक रहा और ज्यादा दिन, ज्यादा घना रहा।

प्यास से बिलखते बच्चे को पानी नहीं देने वाली एयरलाइन पर जुर्माना

नई दिल्ली , एजेंसी।

दुबई की एक तथाकथित फाइव स्टार एयरलाइंस एमिरेट्स के क्रू मेंबर बच्चे को प्यास से बिलखते देख भी नहीं पसीजे तथा रोते हुए बच्चे को पानी देने से इंकार कर दिया। अब यह मामला कंज्यूमर फोरम तक पहुंचा है। एयरलाइन को डेढ़ लाख रुपये का हर्जाना देनेका आदेश हुआ है।

दिल्ली स्टेट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन को आम आदमी कंज्यूमर फोरम के नाम से जानते हैं। बताते हैं कि फोरम ने माना कि फ्लाइट में क्रू मेंबर का एक प्यासे रोते हुए बच्चे को पानी देने से इनकार करना एयरलाइन की ओर से अपने यात्रियों को दी जाने वाली 'सेवा में कमी' को दिखाता है। उपभोक्ता अदालत ने क्रू मेंबर द्वारा यात्री के साथ ऐसे बर्ताव के लिए एयरलाइन को सेवा में खामी का दोषी पाया था और पीड़ित परिवार को मुआवजे के तौर पर 20,000 रुपये और मुकदमेबाजी पर खर्चे के लिए 5000 रुपये देने का आदेश दिया था। कमीशन ने इसके लिए दुबई बेस्ड इस एयरलाइन को निर्देश दिया कि वह पीड़ित को एक लाख रुपये का मुआवजा और 50,000 रुपये वाद खर्च के तौर पर अदा करे।

अयोध्या जरूर जाऊंगा, भाजपा का पट्टा नहीं: नाथ

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज यहां कहा, 'राम मंदिर सभी का है। सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के बाद इसके बनने की शुरुआत हुई। तब भाजपा सरकार थी, तो उनकी ही जिम्मेदारी इसे बनाने की थी। राम मंदिर का पट्टा भाजपा के पास नहीं है, वो पूरे देश का है। राम मंदिर पर सभी का अधिकार है।' अयोध्या जाने के सवाल पर कमलनाथ ने कहा, 'मैं 22 जनवरी को तो नहीं, लेकिन वहां जाऊंगा जरूर।'

सीईओ महिला ने चार साल के बेटे को गोवा ले जाकर मार डाला

बेंगलुरू , एजेंसी।

गोवा में एक मां ने अपने ही चार साल के बेटे को मौत के घाट उतार दिया। 39 साल की सूचना सेठ नामक यह महिला बंगलूरू में एक स्टार्टअप संस्थापक और सीईओ हैं। उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि कल उत्तरी गोवा के कैंडोलिम में एक सर्विस अपार्टमेंट में अपने चार वर्षीय बेटे की हत्या करने के बाद उसका शव एक बैग में रखकर वह कर्नाटक भाग गई थी। सेठ के चेक आउट करने के बाद अपराध का खुलासा हुआ क्योंकि हाउसकीपिंग स्टाफ सफाई करने गया तो वहां खून के धब्बे मिले। अभी पुलिस को हत्या का कोई मकसद नहीं मिला है। गोवा पुलिस के अलर्ट के आधार पर, उसे कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के ऐमंगला पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिया गया था।

इंस्पेक्टर परेश नाइक ने बताया कि सेठ ने चेक इन करते समय बंगलूरू का पता दिया था। वहीं, होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि जब सूचना ने बंगलूरू लौटने के लिए टैक्सी बुलाने के लिए कहा, तो उन्हें समझाया गया कि विमान से जाना ज्यादा सस्ता और सुविधाजनक रहेगा। लेकिन उन्होंने सड़क से यात्रा करने पर जोर दिया। इस पर होटल ने एक स्थानीय टैक्सी की व्यवस्था की। सूचना को अपने बेटे के बिना सर्विस अपार्टमेंट से बाहर निकलते हुए भी देखा गया था।

राममंदिर 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की जोरदार तैयारियों के बीच जारी जोरदार सियासी बहस

राजीव ने खुलवाया ताला, विहिप को दी शिलान्यास की मंजूरी मगर रास्ता भटकती ही रही कांग्रेस

नई दिल्ली , एजेंसी।

राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख 22 जनवरी तेजी से करीब आ रही है। देशभर में इसे लेकर कई तरह के दृश्य हैं। वहीं कांग्रेस और भाजपा में जुबानी जंग भी जारी है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भाजपा राममंदिर का सियासी श्रेय ले रही है। जबकि जब कांग्रेस सरकार में पीएम राजीव गांधी ने राम जन्मभूमि मंदिर का ताला खुलवाने के लिए कदम उठाए थे। हालांकि राम मंदिर के लिए आंदोलन से लेकर रथ यात्रा की शुरुआत में भाजपा ने बढ़त बनाई थी।दरअसल, 1985 में शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदलने से राजीव विपक्ष के निशाने पर थे, तब विरोधियों पर बढ़त बनाने राजीव ने 1986 में अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवाने की पहल की। उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी सरकार शाहबानो मामले में मुस्लिम धर्मगुरुओं के सामने झुकी थी तथा शीर्ष अदालत के फैसले को पलटकर नया कानून पास कराया, कोर्ट ने कहा था कि शाहबानो को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हक है। राजीव सरकार ने शरिया कानून के अनुरूप गुजारा भत्ता व्यवस्था को खत्म करने वाला एक कानून बनाया था।

उस वक्त विपक्षियों के निशाने पर आए राजीव ने सियासी गंभीरता भांपी व उनके ही कहने पर दूरदर्शन पर रामानंद सागर की रामायण का प्रसारण शुरू हुआ। फिर राममंदिर का ताला खुलवा दिया गया। फैसले से पहले राम मंदिर में पुजारी को साल में केवल एक बार पूजा करने का अधिकार था। जबकि 1949 में यहां भगवान राम की मूर्ति स्थापित की गई थी। मगर इस फैसले के बाद भी अयोध्या के समीकरण में कोई खास बदलाव नहीं आया। बाबरी मस्जिद ऐक्शन कमेटी और विश्व हिंदू परिषद पहले के तरह अपने मिशन में लगे रहे। हिंदू और मुस्लिम दोनों इस जगह पर अपना दावा करते रहे। राजीव के फैसले के बाद लोगों ने हिंदुओं के दावे को पुख्ता बताया। 1989 में चुनावी भाषणों के दौरान राजीव गांधी ने कहा था कि अयोध्या में ही राम मंदिर बनेगा। तब सुब्रमण्यम स्वामी ने दावा किया था कि अगर 1989 में राजीव गांधी पीएम बन गए होते तो राम मंदिर के लिए प्रयास और तेज हो गए होते।

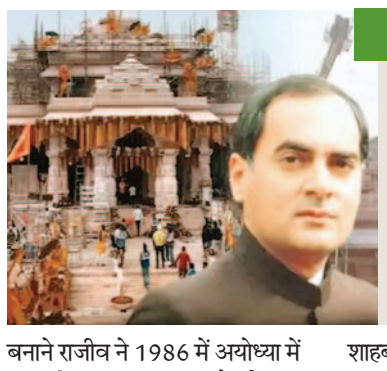

सियासी लाभ के बजाए नुकसान

दरअसल, राजीव गांधी ने ही 1989 में विश्व हिंदू परिषद को राम मंदिर के शिलान्यास की अनुमति दी थी। इसके बाद राम मंदिर के लिए पहली ईंट लगी। 91 में राजीव गांधी की लिट्टे के आतंकियों ने हत्या कर दी थी। इसके बाद कांग्रेस ने इस मुद्दे पर कोई सियासी लाभ नहीं ले पाई,बल्कि वह अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के आरोपों में उलझकर नुकसान झेलती रही। हालांकि, कांग्रेस पीएम पीवी नरसिम्हा राव के समय में ही बाबरी मस्जिद गिराई गई थी। फिर बने कानून के तहत केंद्र सरकार ने 2.77 एकड़ विवादित जमीन के साथ चारो तरफ 60.70 एकड़ जमीन को अपने कब्जे में ले लिया था।

रामलला का नगर भ्रमण स्थगित

अयोध्या, एजेंसी।

रामलला को प्राणप्रतिष्ठा से पहले अब नगर भ्रमण नहीं कराया जाएगा। वे सिर्फ जन्मभूमि परिसर का ही भ्रमण करेंगे। जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से यह फैसला लिया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा काशी के विख्यात वैदिक आचार्य गणेश्वर द्रविड़ के निर्देशन में होनी है। उनकी ट्रस्ट पदाधिकारियों से चर्चा में यह बात सामने आई कि जब रामलला को नगर भ्रमण कराया जाएगा तो उनके दर्शन के लिए श्रद्धालु व भक्त उमड़ पड़ेंगे। ऐसे में भीड़ नियंत्रण में प्रशासन को मुश्किल होगी। इस पर आचार्यों से राय मांगी गई तो उन्होंने जन्मभूमि परिसर का ही भ्रमण कराने का सुझाव दिया। इसे ट्रस्ट ने स्वीकार कर लिया।

ठंड का असर...

भोपाल। कड़ाके की सर्दी के कारण लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव देखा जा रहा है। बाजार दोपहर बाद गुलजार हो रहे हैं। जबकि देर शाम से ही लोग घरों की ओर कूच कर रहे हैं। चित्र में ठंड में रेलवे स्टेशन और रेन बसेरा में सोते हुए लोग।

जिला अभिभाषक संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए हुआ मतदान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला अभिभाषक संघ के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर सोमवार को जिला अदालत परिसर में सुबह 8 बजे से मतदान शुरू हुआ। न्यायाधीश और स्टेट बार कौंसिल के पर्यवेक्षकों की निगरानी में 100 बूथों पर मतदान शांतिपूर्ण और सभी व्यवस्थाओं के बीच शाम 5:30 बजे तक मतदान हुआ। इस चुनाव में करीब 3 हजार 632 अधिवक्ताओं ने वोट डाले। कार्यक्रम के अनुसार, 9 और 10 जनवरी को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जा सकेंगे। सबसे पहले पदाधिकारियों के परिणाम जारी होंगे। इसके बाद कार्यकारणी और सदस्यों के परिणाम आएंगे। जिसके बाद नई कार्यकारिणी का कार्यभार ग्रहण होगा। मुख्य चुनाव अधिकारी रवींद्र तिवारी ने बताया कि जिला बार एसोसिएशन भोपाल में 8500 अधिवक्ता पंजीकृत हैं। इस चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष एवं पुस्तकालय अध्यक्ष तथा पुरुष-महिला कार्यकारिणी सदस्य के 24 पदों के लिए कुल 96 प्रत्याशी मैदान में हैं। इस चुनाव के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी रवींद्र तिवारी के नेतृत्व में 17 अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी लगभग 125 निर्वाचन अधिकारियों को नियुक्त किया गया।

3 हजार 632 अधिवक्ताओं डाले वोट, आज आएंगे पदाधिकारियों के परिणाम

निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शिता के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई

सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

इस दौरान चुनाव के मद्देनजर न्यायालय परिसर में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए थे। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शिता के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। इसके अतिरिक्त जिला न्यायालय प्रांगण में पूर्व से अधिसूचित निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्याशियों के बैनर, पोस्टर हटा दिए गए थे।

पहले दिन ही नहीं हुआ आदेश का पालन, सुबह 7 बजे बच्चों लेने पहुंची गईं स्कूल बसें

निजी स्कूलों की मनमानी के आगे नतमस्तक शासन-प्रशासन..!

स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों में 10 बजे से स्कूल खोलने के जारी किए थे आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निजी स्कूलों की मनमानी के आगे प्रदेश में शासन-प्रशासन नतमस्तक नजर आ रहा है। इसका ताजा उदाहरण मंगलवार सुबह नजर आया। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को सभी स्कूलों को 10 बजे से संचालित करने के संबंध में आदेश जारी किए गए थे, लेकिन पहले दिन ही इस आदेश का पालन नहीं हुआ। नतीजन निजी स्कूलों की बसें घने कोहरे के बीच सुबह 7 बजे से ही सड़कों पर दौड़ती नजर आई। मामले में अभिभावकों का कहना है कि उन्हे इस संबंध में स्कूलों की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। स्कूलों द्वारा पहले से निर्धारित समय पर बस भेजी गई। ऐसे में इस कड़ाके की ठंड में अपने मासूम बच्चों को भेजने के लिए मजबूर हैं।

पोर्टल भी अपडेट नहीं, आदेश नहीं किए जा रहे अपलोड

अभिभावकों का कहना है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी किए जाते हैं, लेकिन इन आदेशों के प्रचार-प्रसार को लेकर कोई व्यवस्था नहीं की जाती है। विभाग को एजुकेशन पोर्टल अपडेट नहीं होता है और न ही इस पर जरूरी आदेशों को अपलोड किया जा रहा है। ऐसे में पैरेंटस को जानकारी ही नहीं लग पाती है। जबकि स्कूल शिक्षा विभाग डिजिटल स्कूल और डिजिटल व्यवस्थाओं के दावे करता नजर आता है।

शीत लहर के चलते बदला स्कूलों का समय

प्रदेश में पिछले दो-तीन दिनों से शीत लहर और ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। ऐसे में प्रदेश में शीतलहर के प्रकोप के कारण स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। अब सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल अब 10 बजे से खुलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव प्रमोद सिंह ने सभी जिलों के कलेक्टर व जिला शिक्षा अधिकारियों को स्कूल 10 बजे से खोलने के आदेश जारी कर तत्काल प्रभाव से पालन करने के लिए कहा है।

डीईओ न फोन उठाते हैं, न कार्यालय में मिलते हैं

मामले को लेकर जब जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी से बात करनी चाही तो उन्होने फोन नहीं उठाया। मामले में अभिभावकों का कहना है कि जिला शिक्षा अधिकारी को बच्चों की चिंता नहीं है। स्थिति यह है कि न जिला शिक्षा अधिकारी फोन उठाते हैं और न ही कार्यालय में मिलते हैं। ऐसे में अभिभावक परेशान होते रहते हैं और निजी स्कूलों की मनमानी बेखौफ जारी है।

सभी सरकारी और निजी स्कूलों में लागू

यह आदेश प्रदेश के सभी बोर्डों के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में लागू होगा। जारी आदेश के अनुसार ऐसे सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल जो सुबह जल्दी संचालित होते हैं वे अब सुबह 10 बजे से खुलेंगे। इसमें दो पालियों में संचालित होने वाले स्कूल भी सुबह 10 बजे से ही खुल सकेंगे। ऐसे सरकारी स्कूल जो सुबह 10.30 से संचालित होते हैं, वे यथावत संचालित होंगे। कक्षा 6वीं से 12वीं तक की कक्षाओं की परीक्षाओं का संचालन पूर्व निर्धारित समय सारणी अनुसार होगा।

नर्मदा एक्सप्रेस 17 तक निरस्त कुशीनगर का मार्ग भी बदला

भोपाल। इंदौर से चलकर बिलासपुर जाने वाली इंदौर–बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस 17 जनवरी तक निरस्त रहेगी तो कुशीनगर एक्सप्रेस भी चार दिन तक बदले हुए मार्ग से चलेगी। बिलासपुर व लखनउ रेल मंडल में किए जाने वाले पटरी जोड़ने व अन्य मेंटेनेंस से जुड़े कार्यों के चलते रेलवे ने उक्त निर्णय लिया है।

- 16 जनवरी तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस व 17 तक इंदौर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18233 इंदौर- बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 10 को रानी कमलापति से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22169 रानी कमलापति-संत्रागाछी एक्सप्रेस व 11 जनवरी को संत्रागाछी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22170 संत्रागाछी-रानी कमलापति एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।
- 16 जनवरी तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस तथा 18 जनवरी तक भोपाल से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18235 भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 13 जनवरी को उदयपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस तथा 14 जनवरी को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20972 शालीमार- उदयपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 13 जनवरी को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22830 शालीमार-भुज एक्सप्रेस तथा 16 जनवरी को भुज से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22829 भुज -शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 14 जनवरी को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस व 15 को अजमेर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18214 अजमेर- दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।
- ट्रेन 22537 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस कुशीनगर एक्सप्रेस 11 जनवरी तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाये परिवर्तित मार्ग वाया गोरखपुर-शाहगंज-जौनपुर (कॉर्ड)-जौनपुर सिटी-सुल्तानपुर-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल के रास्ते गंतव्य को जायेगी। परिवर्तित मार्ग में यह गा?ी शाहगंज, जौनपुर, सुल्तानपुर, लखनऊ स्टेशन पर ठहराव लेगी।
- ट्रेन 22538 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस 11 जनवरी तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाये परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल-मानक नगर-लखनऊ-सुल्तानपुर-जौनपुर सिटी (कॉर्ड)-जौनपुर-शाहगंज के रास्ते गन्तव्य को जाएगी। परिवर्तित मार्ग में यह गा?ी लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर, शाहगंज स्टेशन पर ठहराव लेगी।

प्रतिभा एवं ऊर्जा का संगम एसएचआईएम 'कार्निवाल'

चार हजार विद्यार्थी लेंगे हिस्सा, 11 जनवरी से होगा शुरू

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। मैनेजमेंट एवं कल्चरल फेस्ट ' 9 वां एस. एच. आई. एम. कार्निवाल' का दो दिनी 11 जनवरी से शुरू होगा। कार्निवाल मध्य भारत का ऐसा अनूठा मंच है, जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। कॉर्निवाल में भोपाल ही नहीं अन्य संभाग के कॉलेजों के 4000 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। फेस्ट में कुल 13 प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। पहले दिन 11 जनवरी को ट्रेडिशनल वॉक, ऐड-मैड शो, रंगोली, ट्रैड्डर हंट, पेपर ड्रेस, मेहंदी एवं टैटू, टैलेंट हंट, मैनेजमेंट क्विज कंपटीशन का आयोजन होगा। दूसरे दिन बिजनेस प्लान, रील मेकिंग, डांस, फ्लेमलेस कुकिंग, नुक्कड़ नाटक जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। इसके अलावा कार्निवाल में स्पेशल बैंड का परफॉर्मेंस भी होगा। इस मेगा फेस्ट की प्लानिंग कई महीनों पहले से शुरू हो जाती है, जब कोर कमेटी का गठन किया जाता है। एम. बी. ए. एवं एम. बी. ए. इंटीग्रेटेड की छात्राओं की विभिन्न कमेटी बनायी जाती हैं, जो शिक्षकों के मार्गदर्शन में कार्य करती हैं।

मेट्रो एंकर

52 विद्यालयों में दूसरे नंबर पर रहा विद्यालय

एलवीएस स्कूल को राज्य कराटे स्पर्धा में 23 पदक

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ हायर सेकेण्डरी विद्यालय की छात्राओं ने श्री अरविंदों स्कूल भोपाल में आयोजित 22वीं राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें प्रदेश के 52 विद्यालयों ने भाग लिया था। इनमें एल.वी.एस. स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 23 पदक हासिल किए।

कोच भावना यादव ने बताया कि छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर खुद को साबित किया। विद्यालय की छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही छह छात्राओं अवनि, प्रयांशी, निहारिका, याशिका मेवा?ा व नम्रता का नेशनल चैम्पियनशिप के लिए चयन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने 5 स्वर्ण पदक 10 रजत और 7 कांस्य पदक प्राप्त किए।द्ध शाला सचिव रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी व प्रशासनिक अधिकारी नीलेश हिंगोरानी एवं प्राचार्या एवं सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं ने कोच एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

51 हिंदू साथियों के साथ अयोध्या जाएंगे हीरो

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

22 जनवरी को श्री राम मंदिर अयोध्या में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शिव महापुराण कथा वाचक आचार्य मुकेश महाराज भी राष्ट्रीय सिंधी मंच के अध्यक्ष हीरो इसरानी 51 अनुयायियों व हिंदूसाथियों के साथ के राम लल्ला की नगरी अयोध्या की ओर प्रस्थान करेंगे। विश्व हिंदू सम्राट के हीरो इसरानी ने बताया कि आयोजन के दो दिन पूर्व ही उनका जत्था अयोध्या के लिए प्रस्थान करेगा। उनकी संस्था के सभी सदस्य घर-घर राम मंदिर शुभारंभ के अक्षत बांट कर्म 22 जनवरी को दीपावली जैसा पर्व मनाने की अपील कर रहे हैं ।

दीपोत्सव मनाएं: वहीं, श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर बजरंग सेना समिति का दीपोत्सव मनाओ अभियान जारी है। 22 जनवरी श्रीराम मंदिर का निमंत्रण देकर हनुमान चालीसा का पाठ करने, घर-घर सात दीये प्रज्ज्वलित करने की अपील की जा रही है। साथ ही लोगों से आग्रह किया जा रहा है कि घरों पर रोाश्नी करें, आतिशबाजी करें। अभियान में कर्मण्य वेलफेयर सोसायटी के संचालक संतोष तोमर, बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी, लखन शिवनानी, भूपेन्द्र गुर्जर, मुकेश, संतोष यादव, कमलेश नाथानी, राज बिजोरिया, नीरज जैन, पारस जैन आदि उपस्थित थे।

आज से नेताओं के सघन दौरे शुरू

कांग्रेस विधानसभावार सम्मेलन करेगी, स्थानीय नेताओं की पूछपरख बढ़ेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने युवा प्रयोग पर ही जोर देने का फैसला किया है। पार्टी स्थानीय चेहरों को ही आगे करने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। मगर इससे पहले कार्यकर्ताओं को एकजुटता का संदेश देने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार प्रदेश भर में गांव-गांव संयुक्त दौरे करेंगे।इसकी शुरूआत आज से हो गई है। बताया जाता है कि कांग्रेस ने विधानसभावार कार्यकर्ता सम्मेलन करने का फैसल किया है। कल दिनभर चली बैठकों के बाद यह भी तय हुआ है कि स्थानीय नेताओं की बातों को सबसे अधिक महत्व दिया जाए। दरअसल विस चुनाव हारे नेताओं ने पर्यवेक्षक भेजकर सर्वे कराने की परंपरा की जमकर आलोचना की थी। आज दौरे की शुरुआत दतिया में मां पीतांबरा पीठ के दर्शन करके की गई है। हाल में मप्र में नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही, चुनाव एवं राजनीतिक मामलों की समिति और लोकसभा क्षेत्रों के समन्वयक की नियुक्ति में भी युवाओं को आगे बढ़ाया गया है। बताया जाता है कि अब प्रदेश कांग्रेस की टीम में भी युवाओं को अधिक से अधिक से स्थान दिया जाएगा लेकिन वरिष्ठों की अनदेखी न हो और उन्हें भी मान-सम्मान मिले, इसलिए समन्वय पर जोर रहेगा। पटवारी ने प्रदेशव्यापी दौरे का जो कार्यक्रम बनाया है, उसमें स्थापित स्थानीय नेताओं को साथ में रखा जाएगा। आज से शुरू दौरे में दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना और अशोक नगर के दौरे में पूर्व नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह, रामनिवास रावत, हेमंत कटारे, जयवर्धन सिंह, लाखन सिंह यादव सहित अन्य नेता साथ में रहेंगे। जिस विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक होगी, वहां के विधायक, विधानसभा चुनाव के प्रत्याशी, पूर्व सांसद और जिला व ब्लाक कांग्रेस इकाई के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों का अनिवार्य रूप से बुलाया जाएगा। इसी माह प्रदेश कार्यकारिणी होगी गठित पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन प्रदेश अध्यक्ष पटवारी इसी माह करेंगे।

कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति ने कल लोकसभा चुनाव की आगामी रणनीति पर विचार किया।

भाजपा के सर्वे में दिग्गज फिर अटके !

इधर, विस चुनाव में बड़ी जीत के बाद भाजपा लोकसभा चुनाव में भी काफी पुराने चेहरों को उतारने से परहेज कर सकती है। संकेत यही है कि आगामी लोकसभा चुनाव में जो नेता तीन या उससे अधिक बार सांसद रह चुके हैं, उन्हें टिकट नहीं दिया जाएगा। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने सात सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा दिया था, इनमें से ज्यादातर तीन या अधिक बार चुनाव जीत चुके थे। पार्टी मध्य प्रदेश से भी ज्यादा से ज्यादा नए चेहरों को लोकसभा चुनाव में उतारने की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रदेश की 29 संसदीय सीटों में से पांच सीटें रिक्त हैं। पार्टी ने प्रत्याशियों की तलाश के लिए सर्वे करवाना शुरू कर दिया है।

मामला कोलाहल कानून का, अब डीजे संचालकों को ट्रेनिंग देगी सरकार

शिवराज ने कहा- देखता हूं कौन रोकेगा, तो *सरकार* ने दिखाई डीजे संचालकों के प्रति सहानुभूति !

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा डीजे संचालकों के पक्ष में बयान जारी करने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने डीजे संचालन के कार्य में लगे युवाओं को अन्य रोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। यादव ने यह बात धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों को तय नियमों के विपरीत बजाए जाने पर की गई कार्रवाई की समीक्षा के दौरान कही। इससे पहले वे शिवराज से मिलने उनके घर भी पहुंचे थे।

गौरतलब है कि शिवराज ने भैरूंदा में डीजे संचालकों से कहा था कि वे डीजे,ढोल आदि बजाएं, मैं देखूंगा कि उन्हें कौन रौकता है। इधर समीक्षा बैठक में सीएम यादव ने कहा कि डीजे संचालन के कार्य में लगे युवाओं के पुनर्वास के लिए उन्हें विश्वकर्मा योजना का लाभ दिलाया जाए, साथ ही नगरीय निकायों के साथ मिलकर रोजगार योजनाएं संचालित करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में सीएम ने कहा कि शादी विवाह और अन्य अवसरों पर बैंड बाजा व शहनाई का उपयोग हमारी परम्परा है। इसे प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण तथा अन्य नवाचार किए जाएं। उन्होंने पुलिस बैंड प्रशिक्षण के लिए संचालित गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की और 15 अगस्त तक सभी जिलों में पुलिस बैंड की बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि यादव ने शपथ ग्रहण के बाद हुई पहली कैबिनेट बैठक में धार्मिक स्थलों और अन्य स्थलों में अनियमित अथवा अनियंत्रित ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध के निर्देश जारी किए थे।

आंगनबाड़ी में स्कूल खुलेंगे

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने आदिवासी बाहुल क्षेत्रों में आंगनबाड़ी खोलने के लिए प्राथमिकता के आधार पर जल्द सर्वे करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय में हुई समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों से मंत्री ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में बच्चे घर से दूर बने क्षेत्रों में बने स्कूलों में जाते हैं, इसलिए ऐसे क्षेत्रों में आंगनबाड़ी की व्यवस्था होने से प्राथमिक शिक्षा आसान होगी। मंत्री ने कहा कि औद्योगिक शहरी क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं के छह माह से छह वर्ष के बच्चे की बेहतर देखभाल के लिए आंगनबाड़ी सहपालना केंद्र संचालित किया जाएगा। 52 जिलों मे 448 आंगनबाड़ी सह पालना के प्रस्ताव का अनुमोदन केंद्र सरकार ने किया है। मंत्री ने कहा कि 10 से 15 जनवरी तक महिला सशक्तिकरण सप्ताह पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा। इसके तहत 12 जनवरी को सभी बालक-बालिका गृह आंगनबाड़ी केंद्र पर योगाभ्यास किया जाएगा।

मजदूरों ने सीएम का आभार जताया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंत्रालय में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। इस भेंट के दौरान बीएमएस के प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर के हुकुमचंद मिल के मजदूरों के किए गए भुगतान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस अवसर पर अंगवस्त्र भेंट कर मुख्यमंत्री डा. यादव का अभिनंदन भी किया। यादव ने कहा कि राज्य सरकार मजदूरों के हितों के लिए संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। निरंतर इस दिशा में कार्य करते रहेंगे। यहां पर यह गौरतलब है कि राज्य शासन ने 1992 में बंद हुई इंदौर की हुकुमचंद मिल के 5 हजार से अधिक श्रमिकों को 224 करोड़ की राशि का भुगतान किया।

मप्र से रामसर साइट में पांचवा बांध हो सकता है तवा

केंद्र को भेजा प्रस्ताव, घोषणा का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रामसर साइट की सूची में तवा मप्र से पांचवा बांध हो सकता है। इसका प्रस्ताव मप्र सरकार ने केंद्र को भेज दिया है जहां उसका परीक्षण किया जा जाने के बाद रामसर सचिवालय को आगे बढ़ाया जा चुका है।

सबकुछ ठीक रहा तो तवा बांध भी रामसर साइट में शामिल हो जाएगा। जिसके कई फायदें होंगे। यह बांध तवा नदी पर नर्मदापुरम में बना है जो नर्मदापुरम व हरदा जिले के किसानों को समृद्ध बना चुका है। इसी बांध की बदौलत नर्मदापुरम को गेहूं के रिकार्ड उत्पादन के क्षेत्र में पुरस्कार मिला है, जिसकी वजह से समूचे मप्र का नाम रौशन हुआ है। अब यदि रामसर साइट का दर्जा मिलता है तो बांध का महत्व और बढ़ जाएगा, जो पर्यटन गतिविधियों को अपनी ओर आकृर्षित करने में अहम होगा।

उल्लेखनीय है कि साल 2002 से बड़ा तालाब और साल 2022 से इंदौर का सिरपुर, यशवंत सागर व शिवपुरी के सख्या सागर को रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है। तवा बांध सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से सटा है, यहां पहुंचने वाले पर्यटक बांध की सैर करते हैं। यदि बांध को रामसर साइट का दर्जा मिलता है तो यह वैश्विक पटल पर आ जाएग। यहां पर्यटन गतिविधियां और बढ़ जाएंगी। होटल, रेस्टोरेंट का विस्तार होगा। स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। मप्र पर्यावरण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जब कोई भी जल स्त्रोत उक्त श्रेणी में शामिल किया जाता है तो उसका संरक्षण वैश्विक मानकों के आधार पर करने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। संबंधित सरकार व निकायों को संरक्षण पर विशेषज्ञ तवज्जो देना होता है। ऐसे जल स्त्रोतों के आसपास होने वाली प्रत्येक गतिविधियों का गहराई से अध्ययन करना होता है। इनके संरक्षण के लिए बजट की कमी नहीं पड़ती, अंतराष्ट्रीय स्तर से सहयोग लेने में भी मदद मिलती है।

तवा बांध का इतिहास

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तवा बांध का निर्माण 1958 से शुरू हुआ और 1978 में पूरा हुआ था। इस बांध की ऊंचाई 58 मीटर व 1.9 किलोमीटर है। जल भराव की अनुमानित क्षमता 1944 मिलियन घन मीटर है। हर साल गेहूं फसल के सिंचाई 2.64 लाख व मूंग फसल की सिंचाई 80 हजार हेक्टेयर में होती है।

प्रदेश अध्यक्ष ने किया संबोधित

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कटनी जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक को किया संबोधित।

सैनिक स्कूलों में प्रवेश

6वीं, 9वीं में प्रवेश के लिए 21 जनवरी को परीक्षा

भोपाल. देशभर के 33 सैनिक स्कूलों और 19 नए सैनिक स्कूलों में 2024-25 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सैनिक स्कूलों में 6वीं व 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 21 जनवरी को परीक्षा आयोजित की जाएगी। मध्यप्रदेश के रीवा में सैनिक स्कूल संचालित हैं। सैनिक स्कूल में प्रवेश लेने की प्रवेश परीक्षा पेन पेपर मोड पर ओएमआर शीट पर लगेंगी। यह परीक्षा भोपाल सहित ग्वालियर, जबलपुर, रीवा और मंदसौर शहर में बने केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें

प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल

फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

मेट्रो एंकर | अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा कार्यक्रम, तैयारियां शुरू

इंदौर में मनाया जाएगा विश्व वेटलैंड दिवस, स्विजटरलैंड से आएंगे मेहमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्व वेटलैंड दिवस पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम इंदौर में 2 फरवरी को होगा। इसमें विदेशी मेहमान के तौर पर स्विटजरलैंड स्थित रामसर सचिवालय की महासचिव डॉ. मुसोंडा मुम्बा शामिल होंगी। झीलों के महत्व और संरक्षण को लेकर उक्त आयोजन हर वर्ष होता है जो इस वर्ष मप्र में होगा।

वेटलैड सिटी की घोषणा संभव: इंदौर में हो रहे अंतरराष्ट्रीय स्तरीय के कार्यक्रम में इंदौर व भोपाल को वेटलैंड सिटी का दर्जा मिल सकता है। माना जा रहा है कि केंद्र ने जो प्रस्ताव स्विटजरलैंड को भेजा है, तब तक प्रस्ताव पर सहमति मिल सकती है और इस दिन इंदौर में घोषणा हो सकती है। हालांकि वन मंत्रालय के अधिकारियों ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है लेकिन उक्त कार्यक्रम में पहली बार शामिल होने पहुंच रही रामसर सचिवालय की महासचिव डॉ. मुसोंडा मुंबा के कारण यह उम्मीद बंधी है।

भोपाल-इंदौर को इसलिए चुना

भोपाल- यहां बड़ा तालाब है, जिसे 2002 से रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है। इसके अलावा भी शहर में कई जल स्त्रोत है जो इसे झीलों का शहर बनाए हुए हैं। इसकी जैव विविधता काफी बेहतर है।

इंदौर- यहां के सिरपुर व यशवंत सागर दो मुख्य तालाब है, जिन्हें 2022 में रामसर साइट का दर्जा मिला है। इसके अलावा भी यहां कई जल स्त्रोत है।

देश से केवल तीन शहरों का प्रस्ताव भेजा

देशभर से केवल तीन शहरों को वेटलैंड सिटी का दर्जा दिलाने के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजा गया है। इन तीन शहरों में से दो मप्र के है। पहला नाम इंदौर का है और दूसरा नाम भोपाल का है। जबकि तीसरा नाम राजस्थान के उदयपुर का है। ये तीनों शहर झीलों की नगरी कहलाते है। इसलिए इनके नाम का प्रस्ताव भेजा गया है।

सुविचार

''इंसान तो हर घर में पैदा होते हैं,
बस इंसानियत कहीं कहीं जन्म लेती है।''

– अज्ञात

संपादकीय

भविष्य के खतरों का आकलन

यदि मौसम की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से पृथ्वी को अनेक चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है। खासतौर पर बढ़ता तापमान सबसे बड़ी चुनौती है। इसके चलते ग्लेशियर पिघल रहे हैं, फसल-चक्र पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। अन्न उत्पादन में कमी दर्ज की जा रही है। मौसम चक्र में अनियमितता बढ गई है। वर्षा चक्र असंतुलित होने के कारण हर साल दुनिया के बहुत सारे देशों को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। बढ़ती आबादी के समक्ष यह संकट ज्यादा चिंताजनक है। इस दौर में दुनिया के अन्य देशों की तरह ही भारत ने भी हाल में अपना उपग्रह आदित्य एल-1 भेजा है। जिसके अध्ययनों से जाहिर हो सकेगा कि इन मौसमी गडबड़ियों में सूर्य से निकलने वाली चुंबकीय तरंगों का कितना योगदान है । इस तरह इस उपग्रह के प्रक्षेपण से न केवल कुछ और ब्रह्मांडीय रहस्यों की परतें खोलने में मदद मिलेगी, सामने खड़े संकटों से पार पाने के उपाय तलाशने के रास्ते खुल सकेंगे। हाल में आदित्य ने %सूर्य नमस्कार% भी कर लिया है। हालांकि उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करना अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती होती है। उपग्रह के रास्ता भटक जाने, नियंत्रण कक्ष से संपर्क टूट जाने या बीच में ही नष्ट हो जाने का खतरा बना रहता है। इस दृष्टि से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की यह बड़ी कामयाबी है कि उसके वैज्ञानिकों ने आदित्य एल-1 को निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया। सितंबर में प्रक्षेपित उपग्रह पृथ्वी से करीब पंद्रह लाख किलोमीटर स्थित तय बिंदु लैग्रेंज प्वाइंट-1 पर पहुंच चुका है जहां गुरुत्वाकर्षण शून्य होता है। वहां से सूर्य के त्रिआयामी चित्र मिलते हैं। आदित्य एल-1 भारत का पहला उपग्रह है, जो सूर्य की गतिविधियों का अध्ययन करने के उद्देश्य से भेजा गया है। हालांकि सूर्य का अध्ययन करने का यह पहला प्रयास नहीं है। अमेरिका, जर्मनी, जापान आदि देश इसके लिए अपने उपग्रह भेज चुके हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजंसी नासा अब तक चौदह उपग्रह भेज चुकी है। सूर्य हमारे सौरमंडल का सबसे महत्त्वपूर्ण तारा है, जो ज्वलनशील गैसों का एक पिंड है। अनेक अनुसंधानों से स्पष्ट है कि सूर्य पर होने वाली हलचलों का सीधा प्रभाव पृथ्वी पर पड़ता है। मौसम प्रभावित होता है। पिछले कुछ वर्षों से इस बात को लेकर चिंता गहराती गई है कि सूर्य का धीरे-धीरे क्षरण हो रहा है और उसकी वजह से सौरमंडल के अन्य ग्रहों की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पृथ्वी पर बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते वायुमंडल का गैसीय संतुलन बिगड़ रहा है। लिहाजा अब इन अध्ययनों से पता चल सकेगा कि गंभीर चिंता का विषय बन चुके जलवायु परिवर्तन में सूर्य पर होने वाली हलचलों का कितना योगदान है। इससे भविष्य में पैदा होने वाले खतरों का आकलन भी किया जा सकेगा। आदित्य एल-1 के साथ गए अनुसंधान उपकरण अलग-अलग विषयों का अध्ययन करेंगे, जिसमें सूर्य की किरणों, सौर लपटों और चुंबकीय प्रभाव का अध्ययन महत्त्वपूर्ण होगा। वैसे यह आशंका लंबे समय से जताई जाती रही है कि अगर सूर्य से चलने वाली हवाओं की दिशा पृथ्वी की तरफ हो जाए, तो पृथ्वी की कक्षा में स्थापित तमाम उपग्रहों के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा, सूचना तकनीक का सारा संजाल नष्ट हो सकता है। इस अध्ययन से ऐसी आशंकाओं की वास्तविकता पहचानी जा सकेगी। मगर जरूरी है कि ऐसे अध्ययनों के निष्कर्षों के सामने आने पर सभी देश जरूरी सावधानियां बरतें और धरती को रहने के अनुकूल बनाए रखने में योगदान दें।

कुछ लोग खुश हैं, लेकिन अब भी आर्थिक वृद्धि के लाभ से वंचित है बड़ी आबादी

पी. चिदंबरम

वर्ष 2024 का पहला कॉलम होने के कारण सबसे पहले मैं नए साल की शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं। खुशी दरअसल विभिन्न चीजों का मिश्रण है। इस देश के अलग-अलग हिस्सों को मिलाकर लगभग 142 करोड़ लोग रहते हैं और मेरी चिंता यह है कि इनमें से कितने लोग सुखी हैं और कितने लोग सुखी नहीं हैं। पिछले दिनों मैंने कई लेख पढ़े, जो सरकार के इस दावे को मजबूती प्रदान करती थी कि हर आदमी खुश है। उन लेखकों का दावा है कि लोग खुश इसलिए हैं, क्योंकि देश में अभूतपूर्व आर्थिक विकास हुआ है, जिसका लाभ हर क्षेत्र के लोगों को मिल रहा है। मैं यह नहीं कहता कि आर्थिक वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन निश्चित तौर पर यह वृद्धि अभूतपूर्व नहीं है। आर्थिक वृद्धि का सुनहरा दौर तो पूर्ववर्ती यूपीए सरकार में 2005 से 2008 की तीन वर्षों की वह अवधि में था, जब अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर क्रमशः 9.5, 9.6 और 9.3 फीसदी सालाना थी। जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री काल के पिछले नौ वर्षों में औसत वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत रही है। अगर मौजूदा वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की अनुमानित वृद्धि दर को भी इसमें जोड़ लें, तो औसत वृद्धि दर 5.8 प्रतिशत होगी। यह वृद्धि दर न तो अभूतपूर्व है और न ही शानदार। यह संतोषजनक वृद्धि दर है, लेकिन न तो सुदूरप्रसारी है और न ही पर्याप्त।

खुशहाल लोग : सरकार की आर्थिक नीति प्रत्यक्ष करों को कम रखने, अप्रत्यक्ष करों को ज्यादा व दबाव भरा बनाए रखने तथा वर्चस्ववादी उपायों का मिला-जुला स्वरूप है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे ढांचागत क्षेत्रों में पूंजी निवेश ज्यादा है, जबकि शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा में आवंटन कम है, और महिला विकास जैसे कुछ क्षेत्रों में सब्सिडी की सुविधा है। ऐसे में, संतोषजनक वृद्धि दर ने समाज के कुछ क्षेत्रों को खुश किया है। मैं इन संतुष्ट क्षेत्रों के बारे में बता सकता हूं। ये हैं- बड़े और मध्यम आकार के कॉरपोरेट्स, मोटी आय वाले लोग, बैंकर्स, शेयर बाजार के निवेशक, व्यापारी और दलाल, नीलामी की वस्तुएं खरीदने वाले, सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स, बड़े व्यापारी और जज, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर तथा वकील, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षक, सरकारी कर्मचारी, धनी किसान और साहूकार।

स्याह पक्ष: इस तस्वीर का स्याह पक्ष यह है कि इसमें कई क्षेत्रों के लोग पीछे छूट गए हैं-कुछ क्षेत्रों के लोग तो गिनती में ही नहीं हैं-और ऐसे तमाम क्षेत्रों को मिला दिया जाए, तो यह बहुत बड़ी आबादी है। इनमें वे 82 करोड़ भारतीय हैं, जिन्हें हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम मुफ्त राशन मिलता है। मुफ्त राशन योजना कोई गर्व की चीज नहीं है, जिससे देश की आर्थिक उन्नति या समृद्धि मापी जा सके। मुफ्त राशन योजना दरअसल दूर-दूर तक व्याप्त कुपोषण और कुछ जगहों पर जनता में व्याप्त भूख के बारे में ही बताती है। देश के आधे परिवार चावल या गेहूं खरीद सकने में समर्थ क्यों नहीं हैं? इसका जवाब है कम आय या बेरोजगारी। सरकार के पास इन दो ज्वलंत मुद्दों का हल निकालने की कोई नीति नहीं है। परिवारों की कम आय का हल निकालने के लिए मनरेगा जैसी एक योजना है। लेकिन इस योजना के प्रति इस सरकार की उपेक्षा बिल्कुल शुरुआत से ही स्पष्ट है। अप्रैल, 2022 से सरकार ने मनरेगा में पंजीकृत कामगारों की सूची से 7.6 करोड़ नाम हटा दिए हैं। मानो यही काफी न हो, पंजीकृत कामगारों में से भी एक तिहाई (यानी 8.9 करोड़) और कुल सक्रिय कामगारों का आठवां हिस्सा (यानी 1.8 करोड़) आधार केंद्रित भुगतान व्यवस्था लागू होने के कारण मनरेगा के तहत काम करने में असमर्थ हैं। मनरेगा की मदद छिन जाने से इतने सारे परिवारों के इतने लोग किस तरह अपना गुजर-बसर कर रहे हैं? इन लोगों के लिए जीवन यापन बेहद कठिन है, लिहाजा खुशहाल तो ये कतई नहीं हैं।

पिछले दिनों मैंने कई लेख पढ़े कि हर आदमी खुश है, क्योंकि देश में अभूतपूर्व आर्थिक विकास हुआ है। मैं नहीं कहता कि आर्थिक वृद्धि नहीं हुई है, पर यह वृद्धि अभूतपूर्व नहीं है और इसका लाभ भी बड़ी आबादी को नहीं मिल पाया है।

रोजगार और मुद्रास्फीति के बगैर; देश में एक और बड़ी आबादी खुश नहीं है। ये वे लोग हैं, जिनके पास कोई रोजगार नहीं है। सरकार अब रोजगार सृजन की बात नहीं करती। उसका मानना है कि स्व रोजगार में हो रही वृद्धि की बात कहकर वह लोगों को भुलावा दे सकती है। जिस देश में बच्चे सात से आठ साल तक स्कूलों में, और वह भी बगैर किसी कौशल प्रशिक्षण के गुजारते हैं, उस देश में स्वरोजगार का एक अर्थ बेरोजगारी भी है। जो स्त्री-पुरुष स्वरोजगार में हैं भी, उनकी आय या मजदूरी नौकरी कर रहे लोगों के वेतन की तुलना में कुल मुद्रास्फीति से कम है। यही नहीं, स्वरोजगार में अन्य कोई सुविधा या सामाजिक सुरक्षा भी नहीं है। हमारे यहां युवा बेरोजगारी की दर 10 फीसदी है, जबकि 25 वर्ष तक की आयु वाले स्नातकों में बेरोजगारी की दर 42 प्रतिशत है। ये लोग खुश तो नहीं ही होंगे।

नाखुश लोगों का एक और वर्ग है। ये लोग मुद्रास्फीति के मारे हुए हैं। इस श्रेणी में शीर्ष के उन 10 फीसदी लोगों को छोड़कर, जिनके पास देश की कुल संपत्ति का 60 फीसदी है और जो राष्ट्रीय आय का 57 प्रतिशत कमाते हैं, देश की पूरी आबादी है। वर्ष 2022 में औसत मुद्रास्फीति 6.7 प्रतिशत थी। वर्ष 2023 में साल के चार महीने तक मुद्रास्फीति ने दो से छह फीसदी की ऊपरी सीमा का अतिक्रमण किया। नवंबर, 2023 में मुद्रास्फीति 5.5 प्रतिशत थी। फिलहाल खाद्य मुद्रास्फीति 7.7 फीसदी है। रिजर्व बैंक ने दिसंबर, 2023 के अपने मासिक बुलेटिन में कहा, 'मुद्रास्फीति लक्ष्य की तुलना में ऊंची रहेगी।' मुद्रास्फीति के कारण उपभोग और घरेलू बचत में कमी आई है, जबकि परिवारों द्वारा लिया जाने वाला कर्ज बढ़ा है। सरकार ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की अपनी जिम्मेदारी त्याग दी है और यह दायित्व उसने रिजर्व बैंक के मत्थे मढ़ दिया है। गरीबों पर से महंगाई का बोझ हटाने के लिए अप्रत्यक्ष करों में कमी करना भी प्रतिकूल कदम होगा, क्योंकि मुझे संदेह है कि इससे लक्षित राजकोषीय घाटे तक पहुंचने में मदद मिलेगी। मोदी सरकार के दौर में जो सामान्य आर्थिक वृद्धि दर हासिल हुई है, उसका लाभ भी देश की बड़ी आबादी को नहीं मिल पाया है, क्योंकि मुद्रास्फीति और बेरोजगारी का हल निकालने में सरकार विफल साबित हुई है। इसके अलावा सरकार की नीति भी 'अमीरों की, अमीरों द्वारा और अमीरों के लिए' है। यह नीति भी अमीरों में संपत्ति के केंद्रीकरण तथा एकाधिकार नहीं, तो अल्पाधिकार को तो प्रोत्साहित करती ही है। मेरा मानना है कि नए साल में कुछ लोग खुश रहेंगे, लेकिन देश की बड़ी आबादी नाखुश ही रहेगी। **साभार :** यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

जय जय जय विज्ञान !

– कृष्णेन्द्र राय

रच रहे हैं नित नित ।
हम नया इतिहास ।।
आने वाले दशक भी ।
रहने वाले ख़ास ।।
जय जय जय विज्ञान ।
मानवता के काम ।।
साहस और समर्पण को ।
बारंबार प्रणाम ।।
है लिखनी है गाथा ।
अग्रसर उस ओर ।।
छंट जातीं बाधाएं ।
और संकट घनघोर ।।
कर गया आदित्य ।
सकुशल प्रवेश ।।
एक बार फिर से ।
झूम उठा है देश ।।

आज का इतिहास

- **2020** - भारतीय रिज़र्व बैंक ने केवाईसी नियमों में संशोधन किया। संशोधन के बाद नया मानदंड वित्तीय संस्थानों को वीडियो-आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया का उपयोग करने की अनुमति देता है। यह कदम बैंकों और ऋण देने वाले संस्थानों को दूर बैठे हुए ग्राहकों की पहचान करने में मदद करेगा।
- **सबसे** पहले एचडीएफ़सी बैंक ने माईएप्स (myApps) एप्लिकेशन लॉन्च किया। इस ऐप का उद्देश्य भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है।
- **वाणिज्य** और उद्योग मंत्रालय ने यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्यों को चावल निर्यात के लिए निर्यात नीति में संशोधन किया।
- **अरुणाचल** प्रदेश विधानसभा ने एक नया लोगो/प्रतीक चिन्ह अपनाया।
- **2012** - लियोनेल मेसी ने लगातार दूसरे वर्ष फीफा का बैलोन डी ओर (सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर) पुरस्कार जीता।
- **2011** - ईरान एयर की फ्लाइट नं 277 दुर्घटनाग्रस्त, 77 लोगों की मौत।
- **2010** - सीबीआई ने हरियाणा सरकार द्वारा रुचिका मामलें में जांच किए जाने का अनुरोध स्वीकार कर लिया।
- **2009** - लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए बेबी जान फाउंडेशन पुरस्कार के लिए चुना गया।
- **2008** - हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने अपने मंत्रिमण्डल में नौ मंत्रियों को शामिल किया।
- **श्रीलंका** की सेना ने लिट्टे के इलाके पर कब्ज़ा किया।
- **2007** - जापान में पहला राज्य मंत्रालय गठित हुआ।
- **2005** - अराफात को फिलिस्तीनी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के शीर्ष पद से हटाने के लिए चुनाव।
- **पी.एल.ओ.** के अध्यक्ष महमूद अब्बास फ़िलिस्तीन के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी।

विश्व हिन्दी दिवस- 10 जनवरी 2024 पर विशेष

हिन्दी है राष्ट्रीयता की प्रतीक भाषा, फिर उपेक्षा क्यों?

ललित गर्ग

विश्व हिन्दी दिवस मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है. लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व योग दिवस, विश्व अहिंसा दिवस आदि भारतीय अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़े विश्व दिवसों की शृंखला में विश्व हिन्दी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। ताकि विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा हो तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता मिले। विश्व हिंदी दिवस पहली बार 10 जनवरी, 2006 को मनाया गया था। आज हिन्दी विश्व की सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा है, विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एक बड़ा प्रश्न है। सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है।

हिंदी इस समय विश्व में तेजी से उभरती हुई भाषा है। दुनियाभर में 70 करोड़ से ज्यादा लोग हिंदी भाषा बोलते हैं। यही वजह है कि अंग्रेजी और मंदारिन चीनी भाषा के बाद हिंदी दुनियाभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। भारत के अलावा मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद, टोबैगो, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान और नेपाल आदि में लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं।

1975 को महाराष्ट्र के नागपुर में पहला हिंदी विश्व सम्मेलन आयोजित किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हुए इस सम्मेलन में उस दौरान 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। बाद में साल 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री रहे डॉ.मनमोहन सिंह ने हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसके साथ ही इस दिवस को संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को आधिकारिक भाषाओं की सूची में शामिल करने के मकसद से भी मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में स्थित भारत के सभी दूतावासों में विश्व हिंदी दिवस के मौके पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी भारत की राजभाषा है। सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व को समेट हिंदी अब विश्व में लगातार अपना फैलाव कर रही है, हिन्दी राष्ट्रीयता की प्रतीक भाषा है, उसको राजभाषा बनाने एवं राष्ट्रीयता के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठापित करने के नाम पर भारत में उदासीनता एवं उपेक्षा की स्थितियां परेशान करने वाली है, विडम्बनापूर्ण है। विश्वस्तर पर प्रतिष्ठा पा रही हिंदी को देश में दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। हमने जिस त्वरता से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की दिशा में पहल की, उसी त्वरा से राजनैतिक कारणों से हिन्दी की उपेक्षा भी है, यही कारण है कि आज भी देश में हिन्दी भाषा को वह स्थान प्राप्त नहीं है, जो होना चाहिए। देश-विदेश में इसे जानने-समझने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।

हिन्दी को उसका गौरवपूर्ण स्थान दिलाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी के प्रयत्नों को राष्ट्र सदा स्मरणीय रखेगा। क्योंकि मोदी ने सितंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर न केवल हिन्दी को गौरवान्वित किया बल्कि देश के हर नागरिक का सीना चौड़ा किया। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों? दुनिया में हिन्दी का वर्चस्व बढ़ रहा है, लेकिन हमारे देश में ऐसा नहीं होना, इन्हीं विरोधाभासी एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियों को ही दर्शाता है। स्वभाषा हिन्दी, राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रीय प्रतीकों की उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है, यह हमारे अस्तित्व एवं अस्मिता की भी प्रतीक है, यह हमारी राष्ट्रीयता एवं संस्कृति की भी प्रतीक है। भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद ही हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रचारित-प्रसारित करने के लिए 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है।

विशेषतः अदालतों में आज भी अंग्रेजी का वर्चस्व कायम रहना, एक बड़ा प्रश्न है। देश की सभी निचली अदालतों में संपूर्ण कामकाज हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में होता है, किंतु उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में यही काम केवल अंग्रेजी में होता है। यहां तक कि जो न्यायाधीश हिंदी व अन्य भारतीय भाषाएं जानते हैं वे भी अपीलीय मामलों की सुनवाई में दस्तावेजों का अंग्रेजी अनुवाद कराते हैं। आमजन के लिए न्याय की भाषा कौन-सी हो, इसका सबक भारत और भारतीय न्यायालयों को अबू धाबी से लेने की जरूरत है। संयुक्त अरब अमारात याने दुबई और अबूधाबी ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अरबी और अंग्रेजी के बाद हिंदी को अपनी अदालतों में तीसरी आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कर लिया है। वहां के जनजीवन में हिन्दी का सर्वाधिक प्रचलन है। दुनिया में जितने भी देश महाशक्ति के दर्जे में आते हैं, उनकी शासकीय कार्य एवं अदालतों में मातृभाषा चलती है। यूरोपीय देशों में जैसे-जैसे शिक्षा व संपन्नता बढ़ी, वैसे-वैसे राष्ट्रीय स्वाभिमान प्रखर होता चला गया। रूस, चीन, जापान, वियतनाम और क्यूबा में भी मातृभाषाओं का प्रयोग होता है। लेकिन भारत, भारतीय अदालतें एवं सरकारी महकमें कोई सबक या प्रेरणा लिए बिना अंग्रेजी को स्वतंत्रता के सतहतर साल बाद भी ढोती चली आ रही हैं।

हालांकि इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल ने हिंदी भाषा के भविष्य के संबंध में भी नई राहें दिखाई है। गूगल के अनुसार भारत में अंग्रेजी भाषा में जहाँ विषयवस्तु निर्माण की रफ्तार 19 फीसदी है तो हिंदी के लिए ये आंकड़ा 94 फीसदी है। इसलिए हिंदी को नई सूचना-प्रौद्योगिकी की जरूरतों के मुताबिक ढाला जाए तो ये इस भाषा के विकास में बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इसके लिए सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के स्तर पर तो प्रयास किए ही जाने चाहिए, निजी स्तर पर भी लोगों को इसे खूब प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त हिंदी भाषियों को भी गैर हिंदी भाषियों को खुले दिल से स्वीकार करना होगा। उनकी भाषा-संस्कृति को समझना होगा तभी वो हिंदी को खुले मन से स्वीकार करने को तैयार होंगे। बात चाहे राष्ट्र भाषा की हो या राष्ट्र गान या राष्ट्र गीत- इन सबको भी समूचे राष्ट्र में सम्मान एवं स्वीकार्यता मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार को चाहिए कि वह ऐसे आदेश जारी करे जिससे सरकार के सारे अंदरुनी काम-काज भी हिन्दी में होने लगे और अंग्रेजी से मुक्ति की दिशा सुनिश्चित हो जाये। अगर ऐसा होता है तो यह राष्ट्रीयता को सुदृढ़ करने की दिशा में नया भारत-सशक्त भारत बनाने की दिशा में एक अनुकरणीय एवं सराहनीय पहल होगी। ऐसा होने से महात्मा गांधी, गुरु गोलवलकर और डॉ. राममनोहर लोहिया का सपना साकार हो सकेगा। तभी हिन्दी अपना सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकेगी।

अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई,दो ट्रैक्टर ट्राली जप्त

नर्मदापुरम। जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को खनिज विभाग की टीम ने ग्राम पंचायत बरूंडआ में अवैध रेत का परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर ट्राली तथा ग्राम जमानी में बजरी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया है। दोनों ट्रालियों को संबंधित क्षेत्र के थाने में अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त वाहनों पर मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई के दौरान जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, खनिज निरीक्षक पिंकी चौहान एवं निरीक्षक कृष्णा परस्ते सहित माइनिंग विभाग की टीम उपस्थित रहीं। ५

घर में घुसकर सोयाबीन की चोरी करने वाले चोरों को पुलिस ने चंद घंटे में धर दबोचा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

शिवपुर थाना के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमलाडा कला के कैलाश यादव पिता शिवप्रसाद यादव ने रिपोर्ट करी की 7 जनवरी को सुबह 6 बजे मैंने उठकर देखा कि मेरे कमरे की खिड़की टूटी हुयी है एवं 40-40 किलो सोयाबीन की 2 बोरिया गायब है,जिसको कोई अज्ञात चोर घर में घुसकर चोरी कर सोयाबीन ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्र0 07/24 धारा 457,380 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान तकनीकी तथा गैर तकनिकी साधनों की मदद से संदेही दीपक पिता कैलाश चन्द्र बिल्लोरे उम्र 23 साल एवं बलराम पिता सरवन बिल्लोरे उम्र 20 साल दोनों नि अमलाडा कला को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गयी जिनके द्वारा चोरी करना कबूल किया आरोपीओ से सोयाबीन की 2 बोरियो में करीब 80 किलो सोयाबीन कीमती 4000 रूपये एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एमपी 47 एम जे 1878 जिसकी कीमती 30,000 रूपये जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायलय पेश किया गया है।

कलेक्टर ने समयसीमा की बैठक में दिए निर्देश, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करें

खरीदी गई धान का सुरक्षित परिवहन और भंडारण कराएं, एसडीएम मॉनिटरिंग करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने विभिन्न योजनाओं एवं समसामयिक विषयों की विस्तार से समीक्षा की। धान उपार्जन की समीक्षा कर कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देश दिए कि बारिश की स्थिति को ध्यान में रखते हुए बनखेड़ी के ओपन केंद्रो से धान का सुचारू रूप से परिवहन कराएं। ऐसे केंद्रो पर वाहनों सहित आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी बढ़ाएं। उपार्जन संबंधी अधिकारी इन केंद्रों का भ्रमण कर निरंतर निगरानी करें। एसडीएम पिपरिया भी अलर्ट रहे। खंड स्तरीय उपार्जन समिति के साथ लगातार केंद्रो का विजिट कर आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। बारिश के कारण धान भीगने की स्थिति निर्मित न हो यह भी सुनिश्चित करें। उन्होंने बनखेड़ी के लो लाइन एरिया में बनाएं गए ओपन केंद्रो के स्थान पर नए केंद्र प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की भी कलेक्टर ने विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने हेल्थ स्क्रीनिंग, पीएम उज्जवला योजना में ईकेवाईसी और वितरण की समीक्षा कर उन्होंने संकल्प यात्रा के दौरान पीएम उज्जवला योजना के शेष हितग्राहियों को भी लाभान्वित कर योजनांतर्गत शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश जिला आपूर्ति नियंत्रक को दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड का भी शत प्रतिशत वितरण कराएं। पशुपालकों और मत्स्यपालकों के केसीसी के प्रकरण बैंक से समन्वय कर स्वीकृत और वितरण किया जाए। उन्होंने

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक समाधान कराएं

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के संबंध में हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजन में आवेदनों की संख्या बढ़ाकर निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में बीएलओ के साथ बैठक कर निर्धारित कार्यक्रम अनुसार सभी आवश्यक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की बीएलओ के माध्यम से मतदाता सूची का वाचन कराएं। 13 जनवरी और 20 जनवरी को बीएलओ डोर टू डोर जाकर सर्वे करें। एसडीएम भी अपने क्षेत्र में मतदाता सूची के पुनरीक्षण गतिविधियों का सतत निरीक्षण करें। 18 से 19 वर्ष के नव मतदाताओं के नाम प्राथमिकता से जोड़े जाएं।

उन्होंने समयसीमा के प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा कर आगामी टी एल बैठक से पहले लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए।बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की। राजस्व विभाग अंतर्गत शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश सभी तहसीलदारों को दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी 10 दिनों में शिकायतकर्ता से चर्चा कर उनकी शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं।

जनपद पंचायत और नगरीय निकाय अंतर्गत प्राप्त शिकायतों की भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओ के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने भुगतान संबंधी एक एक शिकायतों को चिन्हित कर निराकरण करने के निर्देश सीएमएचओ और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को दिए। उन्हीजे लाड़ली बहना योजना और अन्य योजनाओं में लापरवाही बरतने वाले सुपरवाइजर और सीडीपीओ के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत को दिए। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से प्राप्त विभागीय विषयों के प्रकरणों का भी निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एसएस रावत, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह सहित सभी विभागों की जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

बीएलओ की हुई बैठक में तय हुआ, हर शनिवार आयोजित करें सुपरवाइजर समीक्षा बैठक

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदा पुरम के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 136 सिवनी मालवा निर्वाचन सुपरवाइजर की बैठक स्थानीय जनपद सभागृह में नायब तहसीलदार नितिन राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें सभी सुपरवाइजरों को निर्देशित किया गया कि 22 जनवरी 2024 तक प्रति शनिवार बीएलओ की बैठक आयोजित की जाए बैठक मे निर्देश दिए गए की समस्त सुपरवाइजर आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में मतदान के दावे आपत्ति फाइल कवर के साथ सप्ताह के प्रथम दिन प्रति सोमवार को बैठक की कार्रवाई के साथ कार्यालय में जमा कराया। आवंटित मतदान केंद्रों पर कोई भी मतदाता, मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे किसी भी मतदान केंद्र की मतदाता सूची में कोई भी मृत्यु अथवा दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता ना रहे जिन मतदान केंद्रों पर शुन्य या 999 वार्ड नंबर ग्राम का नाम अंकित है उनके सही मकान नंबरों में संशोधन करना है यदि विवाह स्थानांतरण के मतदाताओं की जांच उपरांत ही मतदाता सूची में नाम जोड़ा जाए प्रत्येक दावे आपत्तियों पर सुपरवाइजर के हस्ताक्षर एवं जांच रिपोर्ट, टीप, विलोपन की स्थिति में नोटिस जारी कर बीएलओ एप के माध्यम से फार्म जमा करना सुनिश्चित करेंगे कोई भी बीएलओ सीधे तौर पर निर्वाचन कार्यालय में उपस्थित नहीं होगा समस्त दावे आपत्ति सुपरवाइजर के माध्यम से कार्यालय में जमा कराई जाएगी। आयोग द्वारा दिए गए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप मतदान केंद्रों पर दावे आपत्तियों को प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाए मतदान केंद्र पर जेंडर रेशों 928 से कम है वह मतदान केंद्र पर अधिक से अधिक जेंडर रेशों सुधार का प्रयास सुनिश्चित किया जाए बैठक में सुपरवाइजर अनिल रघुवंशी, राममोहन रघुवंशी, मनित कुमार दुबे, हरिप्रसाद परेवा, अशोक सोनिया, राजेश सिंघल, सुनील कुमार झरानिया, मुकेश कुमार तिवारी, सुनील कुमार विश्वकर्मा, महेश गोस्वामी, प्रणय अवस्थी निर्वाचन कार्यालय प्रभारी पंकज परसाई उपस्थित थे।

नर्मदा कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम 'वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरुर डालेंगे हम'

नर्मदापुरम। नर्मदाकॉलेज में सोमवार को 'वोट जैसा कुछ नहीं- वोट जरुर डालेंगे हम' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मतदान प्रक्रिया में जन सामान्य और युवाओं की सहभागिता के साथ मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हिंदी विभाग

के तत्वावधान में अनेक विद्यार्थियों ने निबंध लेखन में हिस्सा लिया । प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता संपन्न हुई।इस अवसर पर निर्वाचन नोडल अधिकारी डॉ आर एस बोहरे ने विद्यार्थियों को विषय का महत्व बताते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का वोट देश के भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य और वोट के प्रति गंभीर जिम्मेदारी को संदर्भित किया। प्रतिभागियों ने रोचक और बेहतर तरीके से निबंध लेखन किया।संयोजक डॉ के जी मिश्र ने परिणाम घोषित किए। जिसमें प्रथम अर्जुन यादव, द्वितीय शुभी जोशी, तृतीय समर्थ पटवा और महक पटवा तथा चतुर्थ स्थान पर आशुतोष पार रहे ।उल्लेखनीय है प्रथम प्रतिभागी को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपने निबंध प्रस्तुत करने होंगे। प्राचार्य डॉ चौबे, डॉ अमिता जोशी ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई दी। कार्यक्रम में डॉ अंजना यादव, डॉ रुपा भावसार, डॉ शोभा बिसेन,प्रो शिवकांत मौर्य, रीना सक्सेना, का सहयोग रहा। अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कबड्डी स्पर्धा में नर्मदापुरम जोन हुआ विजेता इंदौर जोन को 42-26 अंकों से पराजित किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनजातीय कार्य विभाग के स्टॉफ की राज्य स्तरीय कबड्डी स्पर्धा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरीखुर्द आयोजित हुई। स्पर्धा के फायनल में मेजबान नर्मदापुरम जोन ने इंदौर जोन को 42-26 अंकों से पराजित कर विजेता का खिताब जीता। आधे समय तक नर्मदापुरम जोन की टीम 23-14 से आगे थी। उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य विभाग के स्टॉफ के लिए इस प्रकार की स्पर्धा दूसरी बार नर्मदापुरम संभाग की मेजबानी में आयोजित की गई है। स्पर्धा के अंतिम मैच के दौरान संभागीय उपायुक्त जे.पी. यादव उपस्थित रहे तथा खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। शैलेन्द्र दीक्षित प्राचार्य शासकीय उ.मा.वि. सेमरीखुर्द, प्रदीप सिंह राजपूत, प्राचार्य सी. एम. राईज विद्यालय सुखतवा, विद्यालय के शिक्षकगण तथा विद्यार्थी दर्शक के रूप में उपस्थित थे। स्पर्धा उपरांत जनजातीय कार्य विभाग की राज्य स्तरीय टीम का चयन किया गया है। जो इस प्रकार है:- प्रवीण दुबे (कप्तान) आशुतोष कुशवाह, राजेन्द्र सिंह राजपूत, सुखनार कलमें, अनिल गालर, (नर्मदापुरम जिला) आशीष उइके, सुखमन कवड़े, मलवन शाह नरें (बैतूल जिला), रायसिंह ढकिया, शंकर सिंह परमार, मानसिंह बामनियों (झाबुआ जिला) हेमरथ तोमर (अलीराजपुर जिला)।

उक्त चयनित दल 14 से 16 जनवरी 2024 तक सीहोर में आयोजित शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय स्पर्धा में भाग लेगा। उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य विभाग की कबड्डी टीम ने गतवर्ष शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय स्पर्धा में विजेता होकर गोल्ड मैडल जीता था। संभागीय उपायुक्त जे. पी. यादव ने चयनित दल को शुभकामनाएँ दी।

सुबह 9:30 बजे से पहले नहीं होगा स्कूलों का संचालन

नर्मदापुरम। जिले में शीतलहर एवं बारिश के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए जिले में समस्त स्कूल सुबह 9ः30 बजे से पहले संचालित नहीं होंगे। नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी शत्रुंजय सिंह बिसेन ने बताया कि जिले में 9 जनवरी से आगामी आदेश तक समस्त शासकीय/ अशासकीय/ केन्द्रीय विद्यालय/ जवाहर नवोदय विद्यालय/ ICSE/ CBSE/ अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों/आंगनवाड़ी को निदेर्शित किया गया है है कि दो पारी के स्कूल या किसी भी संस्था का संचालन प्रातः 09ः30 बजे के पूर्व प्रारंभ नहीं करें।

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत कलेक्टर ने जारी किए आदेश

अवैध उत्खनन पर अब रायसेन प्रशासन सख्त

रायसेन। जिला मुख्यालय से 24 किलोमीटर प्रकृति की गोद में, बसे इस गांव हकीमखेडी में रहमदिल एक हकीम खड़े-खड़े नब्ज़ देखकर जटिल रोगों का उपचार करते थे। इसलिए इस गांव का नाम हकीम खेड़ी पड़ा। मगर अब इस गांव में हकीम साहब तो रहे नहीं लेकिन गांव में उपचार की परम्परा आज भी कायम है, बस पद्धति बदली है। अब इस गांव के लोग खड़े-खड़े, हाथों में पत्थर, हॉकी, रॉड़ लेकर उपचार करते हैं । विडंबना यह है कि नब्ज़ देखने वाले हाथों में पत्थर दिखाई दे रहे हैं।

इस क्षेत्र में वन , पत्थर और मुरम प्रचुर मात्रा में मिलती है। यहां वन विभाग, खनिज विभाग और नेताओं की अदृश्य हिस्सेदारी में जंगल काटना और अवैध उत्खनन का कारोबार वर्षों से चल रहा है। शनिवार को वन विभाग के ईमानदार वन मंडलाधिकारी द्वारा अवैध उत्खनन रोकने के लिए रास्ते में गड्ढा खुदवाया था रहा था, कि अचानक ग्रामीणों ने ?पत्थर , हॉकी, रॉड़ से हमला कर दिया। इस हमले में डिप्टी रेंजर लाल सिंह आर्य लहूलुहान हो गए। इस बार जो कुछ हुआ वो प्रशासन व पुलिस के लिए खुली चुनौती था । अवैध उत्खनन कर्ताओं की गहराई का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां कानून का राज नहीं चलता। जिसकी जहां मर्जी वहां जंगल काटते हैं, अवैध उत्खनन करते हैं।

ताजा घटना के बाद प्रशासन बेहद सख्त नजर आ रहा है। यहां जिला प्रशासन, पुलिस , वन विभाग, खनिज, राजस्व विभाग ने जिस प्रकार की कार्रवाई की है ,वह कठोर होते हुए भी अनिवार्य लग रही है। कल तक जहां अवैध उत्खनन कर्ताओं का डंडा गड़ा था , उस पर प्रशासन , पुलिस ने अपना झंडा लगा दिया है। स्वच्छता अभियान के साथ ही सामाजिक स्वच्छता का अभियान भी जरूरी माना जा रहा है। लेकिन यह कार्रवाई पूरे जिले मे करने की बात भी कही जा रही है।

मेट्रो एंकर | जिला कार्यशाला में प्लान तैयार करने के दिए निर्देश

अब 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को भी लगेगा बीसीजी का टीका, चलेगा अभियान, होगा सर्वे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सामान्यतः जन्म के बाद नवजात को लगने वाला बीसीजी का टीका अब 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को भी लगाने की तैयारी है। इसके लिए योजना तैयार हो गई है। जिले के क्षय रोग मुक्त करने के लिए यह टीकाकरण एक अभियान की तरह किया जाएगा। इसे लेकर जिला प्रशिक्षण केंद्र में जिला कार्यशाला में सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार,डीआईओ डॉ आर के वर्मा ने माइक्रोप्लान बनाकर उपस्थित अधिकारियों को जानकारी देते बीसीजी टीकाकरण करने पर जोर दिया। डीआईओ ने कार्यशाला में स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के अमले से कहा कि जिले को क्षयमुक्त करने के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों को किया जाने वाला बीसीजी टीकाकरण का कार्य आपसी समन्वय के साथ कराया जाना सुनिश्चित करें। इस टीकाकरण कार्य के लक्ष्य प्राप्ति के लिए माइक्रो प्लानतैयार कर जिले के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र के वार्डों में सर्वे कराकर संबंधित नागरिकों का बीसीजी टीकाकरण किया जाए।

कार्यशाला में जिला क्षय अधिकारी डॉ प्रियंका दुबे, डॉ अविनाश कनेरे , संजीव पांडे, विशेष दुबे ने 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों को किए जाने वाले बीसीजी टीकाकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शहरी स्वास्थ्य सुपरवाइजर सुनील साहू ने बताया गया कि सरकार का उद्देश्य वर्ष 2025 तक देश से क्षय रोग को खत्म करना है। इसके लिए 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के महिला एवं पुरुषों का बीसीजी टीकाकरण किया जाएगा। इसमें हितग्राहियों से सहमति लेकर जो 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों का टीकाकरण किया जाना है। इसके तहत 18 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु वर्ग के महिला एवं पुरुषों को शासन के प्रोटोकॉल अनुसार व्यक्ति तंबाकू का धूम्रपान करते हो, जिन्हें डायबिटीज हो एवं जिनके बॉडी जिनके मास्क इंडेक्स 18 से कम परिवारों में पिछले 5 वर्ष में कोई टीबी का मरीज रहा हो या टीबी मरीज के संपर्क में रहा हो या व्यक्ति स्वयं 3 वर्ष के अंदर टीबी का मरीज रहा हो ऐसे लोगों को बीसीजी के टीके लगाने के लक्ष्य समूह में रखा गया है।

इस टीकाकरण अभियान के लिए सबसे पहले आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर पहुंचकर इसका सर्वे कराया जाएगा एवं ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर माइक्रोप्लान तैयार कराया जा रहा है। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ आर के चौधरी, समस्त ब्लॉक के बीएमओ, एपीएम, जिला कोल्ड चैन मेकेनिक,बीई, बीपीएम,बीसीएम, ऑपरेटर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रा से बाइक सवार बदमाश मोबाइल छीन कर भागे, पुलिस खंगालती रही सीसीटीवी कैमरे

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

नगर में इन दिनों चोर बदमाश उच्चको के हौसले इतने बुलंद है कि वह दिनदहाड़े किसी भी घटना को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं ऐसी घटनाएं नगर की जनता के साथ आम बातसी हो गई है। अभी कुछ दिन पहले ही रिटायर शिक्षक के साथ पुलिस की ड्रेस में आए बदमाशों ने उनकी सोने की अंगूठी हथीयाली और फरार हो गए पुलिस पकड़ से इस घटना के आरोपी पकड़ भी नहीं आए थे कि सोमवार के दिन नगर में बदमाशो ने एक

दूसरी घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। बताया जाता हैं की सोमवार के दिन कलेज से 3 छात्राएं पैदल बस स्टैंड की और जा रही थी। जिनमें से ग्राम थुआ की चेतना साहू के हाथ में मोबाइल था। रास्ते में बाइक पर सवार तीन लोग उसके हाथ में रखा मोबाइल झपट कर भाग गए। इसके बाद छात्रा ने शोर मचाया, लेकिन तब तक आरोपी अपनी बाइक से नौ दो ग्यारह हो चुके थे। इस बात की शिकायत पीडित छात्रा ने सिवनी मालवा थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी खंगाले तो उनको एक बाइक पर तीन संदिग्ध नजर आए। पुलिस ने उन फुटेज को आसपास के थानों को भेजा है।

नगर में लगे सीसीडी कैमरे बंद पड़े हुए

सिवनी मालवा नगर पालिका द्वारा शहर में चप्पे चप्पे पर निगरानी रखने के लिए पूर्व नगर पालिका परिषद द्वारा चौक चौराहा पर जगह सीसीडी कैमरे लगाए गए थे। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि सालों से यह कैमरे बंद पड़े हुए हैं जिसके कारण सिवनी मालवा नगर की जनता अपने आप को अब सुरक्षित महसूस नहीं करने लगी है। क्योंकि उसके साथ आए दिन लूट और ठगी के मामले हो रहे हैं। तंगहाली के दौर से गुजर रही नगर पालिका के पास सीसीडी कैमरों को सुधारने के लिए किसी प्रकार का भी कोई फंड नहीं है।

सोमवार के दिन सक्रिय रहते हैं क्षेत्र के आसपास की लुटेरे

सिवनी मालवा में सोमवार के दिन हाट बाजार रहने के कारण क्षेत्र के दूर दराज के लोग नगर में बाजार करने आते हैं इसी का फायदा उठाने के लिए अधिकतर देखा जाए तो सोमवार के दिन ही आसपास के चोर उचक्के सक्रिय हो जाते हैं और लोगों को अपना शिकार बनाकर फरार हो जाते हैं।

इनका कहना है,

बीते रोज हुई छात्रा के साथ मोबाइल लूटने की घटना और रिटायर शिक्षक के साथ हुई ठगी की घटना में हमारी टीम लगी हुई है शीघ्र ही इन दोनों घटनाओं का खुलासा किया जाएगा।

सज्जन सिंह मुकाती, *थाना प्रभारी सिवनी मालवा*

जब हमने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से इस विषय में बात की तो उन्होंने कहा कि हमारे पास फिलहाल की कंडीशन में इन कैमरो को सुधारने के लिए कोई फंड नहीं है हम शीघ्र ही परिषद की मीटिंग में किसी भी मद से इन्हें सुधरवाने का प्रयास करेंगे।

शीतल भल्लावी, *मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिवनी मालवा*

हेडपंप से पानी भरने को लेकर हुआ विवाद, अहिरवार की मौत

थाने के सामने लाश रखकर किया चक्का जाम, आरोपियों पर बुलडोजर चलाने की मांग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आज भी कुछ लोगों की मानसिकता बदलने का नाम नहीं ले रही है। इसी के चलते 2 जनवरी को ग्राम बरखेड़ी में सरकारी हेड पंप पर से पानी भरने को लेकर अहिरवार समाज और यादव समाज में विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी। इसके बाद खूनी संघर्ष की स्थिति नौबत हो गई थी कुछ यादव समाज के लोगों ने इनके पास लगे सरकारी हेड पंप से पानी भरने भरने आए दलित समाज को रोकते हुए पानी भरने से मना किया ऐसी दौरान बढ़ गई की एक दूसरे पर हमले की नौबत आ गई। यादव समाज के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए करण अहिरवार की भोपाल में इलाज के दौरान सोमवार को मृत्यु हो गई। इसके बाद गुस्सा आए परिजनों और समाज जनों ने भोपाल से लाश को मंगाकर थाने के सामने रखकर चक्का जाम करते हुए कहा कि यादव समाज के जिन लोगों ने सरकारी हेडपंप से पानी भरने से रोकते हुए हमारे ऊपर हमला करते हुए इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया है आरोपियों पर कार्रवाई पुलिस प्रशासन बुलडोजर की कार्रवाई करें तभी हम लोग यहां से हटेंगे पहले थाना प्रभारी ने गुस्साए लोगों को समझने का प्रयास किया पर यह लोग किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थी इसके बाद एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी पहुंचे उन्होंने बात करते हुए उनकी बात सुनी मृतक के परिजनों ने आरोपियों पर बुलडोजर कार्रवाई तत्काल करवाने की मांग रखी, इन लोगों ने अवैध रूप से सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है उसकी जांच कर कर उसको भी छुड़वाया जाए आरोपियों की संख्या बढ़ाई जाए इनके आतंक से हम सब लोग परेशान हैं आए दिन यादव समाज के इन लोगों के द्वारा खुलेआम हमें धमकी देकर परेशान किया जाता है। काफी देर तक इन लोगों का प्रदर्शन चल एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी ने मृतक के परिजन से कहा कि आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं सरकारी जमीन और बुलडोजर की कार्यवाही राजस्व विभाग के अधिकारियों से बात करके जो नियम में होगा वह किया जाएगा पीएम रिपोर्ट आने के बाद धारा 302 की वृद्धि भी कर दी जाएगी। एसडीओपी से मिले ठोस आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी माने एवं चक्का जाम खत्म हुआ।

आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार बढ़ेगी धारा

थाना प्रभारी संदीप पवार ने बताया कि विवाद के बाद यादव समाज के आरोपियों पर धारा 302 भी बढ़ाई जाएगी पहले दिन पर बाद में 307 का प्रकरण दर्ज है। इसमें आरोपी सोनू यादव, राम गोपाल यादव, रामबाबू यादव, अभिषेक यादव, रिंकू यादव एवं सटरू यादव को हमने गिरफ्तार भी कर लिया है। अब धारा में वृद्धि भी की जाएगी मामले की जांच चल रही है। दूसरी ओर अहिरवार समाज के लोगों ने जानबूझकर हेडपंप के से पानी भरने से रोकने के आरोप लगाए हैं। इन्होंने मांग कहा कि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए एक दलित व्यक्ति पर इस तरह से हमला करके पानी भरने से रोका गया मौत के घाट उतार दिया फिर भी प्रशासन ने अभी तक आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई नहीं की जबकि एक तरफ इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों पर बुलडोजर चलाने कार्रवाई लगातार प्रशासन के द्वारा की जा रही है। मृतक के परिवार जनों ने आरोप लगाया कि प्रशासन आरोपियों पर कार्रवाई नहीं कर रही है।

इनका कहना है -

घटना में शामिल आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं बाकी जो उन्होंने मांग रखी है उसके संबंध में राजस्व विभाग के अधिकारियों से बात करके आगे कार्रवाई करेंगे धारा में वृद्धि होगी।

उमेश कुमार त्रिपाठी एसडीओपी

शहर की सड़क खस्ता होने से, वाहन चालकों को कठिनाइयों का करना पड़ता है सामना

ग्रीन क्लीन कैसे बनेगा नगर, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एक तरफ विधायक के द्वारा नगर को ग्रीन क्लीन बनाने के लिए अधिकारियों से निर्देश दिए दूसरी ओर नगर की अधिकांश सड़कों गढ़ों में तब्दील हो चुकी है। वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। धूल से भी मुक्ति नहीं मिल पा रही है। जब तक इन छातिग्रस्त सड़कों की मरम्मत नहीं होगी तब तक सड़कों से मुक्ति नहीं मिलेगी शहर को साफ स्वच्छ सुंदर बनाने का सपना भी पूरा नहीं हो पाएगा। शहर में आने जाने से लेकर मुख्य बाजार व मुख्य मार्ग की सड़क जगह गढ़ों में तब्दील होकर क्षतिग्रस्त हो गई है,लंबे समय से इन सड़कों की मरम्मत नहीं होने से इनकी हालत और भी ज्यादा खराब हो इसमें कुछ सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा बनाई गई है नगर पालिका परिषद के द्वारा बनाई गई इनमें से कुछ सड़के ऐसी भी इनको नगर पालिका ने कुछ समय पहले ही बनाया था पर समय रहते जिम्मेदारी में ध्यान नहीं दिया। इस वजह से ठेकेदारों ने अपने हिसाब से घटिया निर्माण करके खाना पूर्ति करके बनाने का काम किया है इस वजह से चंद दिनों के बाद ही गढ़ों में तब्दील हो गई है। इस वजह से वाहन चालकों को वाहन चलाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता प्रतिदिन टूट हो रही है नालियों पर जो जारी रखी गई है, वहां भी व्यवस्थित नहीं रखी गई है गहरे गहरे गड्ढे होने से सभी को परेशानी हो रही है।

जनप्रतिनिधि नहीं दे रहा है ध्यान - विधायक के द्वारा दूसरी पारी में विकास को गति देने के लिए लगातार दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं।दूसरी ओर शहर के अधिकांश क्षेत्रों की सड़कें टूटी-फटी है इनकी मरम्मत के लिए अभी तक धरातल पर कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं इस वजह से शहर वासियों को गड्ढे भरी सड़कों में से ही आना जाना पड़ता है। यदि इन सड़कों की मरम्मत हो जाए तो वाहन चालकों को इन घटिया मार्गो से मुक्ति मिल जाएगी वहीं जिन सड़कों का निर्माण ठेकेदारों ने घटिया किया है उन पर कार्रवाई करते हुए सड़कों का निर्माण पुनः करवाना होगा तब जाकर गढ़ों भरी सड़कों से नगर वासियों को मुक्ति मिल पाएगी। सड़कें खराब होने के कारण धूल से भी नगर वासियों को छुटकारा नहीं मिल पा रहा है।

कस्टम से बाट चौराहा की सड़क का होगा पुनर्निर्माण

ठेकेदार की लापरवाही से चांद दिनों में ही सड़क गढ़ों में तब्दील हुई थी इस वजह से बाढ़ चौराहा से लेकर कस्टम पथ तक जाने वाली सड़क इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि यहां से पैदल चलना भी मुश्किल होता है। दोपहिया वाहन चलाने में मुश्किल होती है। जब से सड़क का निर्माण हुआ तभी से यहां पर से आने-जाने में परेशानी हो रही लगातार शिकायतों के बाद भी तत्कालीन अधिकारी में कोई ध्यान नहीं दिया खस्ता मार्ग से मुक्ति दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा ई टेंडर करवाया गया है। एक बार फिर से सड़क का निर्माण होगा तब जाकर नगर वासियों और इस मार्ग से आने जाने वाले लोगों को खस्ता रास्ते से निजात मिल पाएगी इसी तरह अन्य मार्गों की भी मरम्मत हो जाए तो नगर वासियों को गड्ढे से मुक्ति मिल जाएगी।

इनका कहना है

शहर की सड़क जगह से गढो में तब्दील हो गई है छत्तरी से लेकर बाजार तक जाने में बहुत परेशानी होती है वाहनों में भी टूट हो रही है इनकी मरम्मत होनी चाहिए।

राजीव जैन व्यापारी

कस्टम पथ से बाजार जाने वाली सड़क का री टेंडर लगवाया गया है साथ ही छत्तरी नाके जाने वाली सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग की है विधायक महोदय इस सड़क को बनवाने के लिए आग्रह किया है।

राम प्रकाश साहू नगर पालिका अधिकारी सिरोंज

कड़ाके की ठंड और कोहरे से नहीं मिल रही राहत, हुई बूंदाबांदी

सिरोंज। एक सप्ताह बीतने जाने के बाद भी मौसम साफ नहीं हो रहा है सूर्य देवता के दर्शन नहीं होने से ठंड से मुक्ति नहीं मिल पा रही है। घने कोहरे का असर भी देखने को मिल रहा है। सोमवार को तो कोहरे का कहर ज्यादा ही था कि आसपास का भी दिखाई नहीं दिया दोपहर 12 बजे तक कोहरा छाया रहा है। इस वजह से वाहन चालकों दिन में भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर अपने वाहन चलाने पर ठंड के कारण लोगों की हालत खराब हुई जगह-जगह लोग आग जलाकर ठंड से बचने का प्रयास करते नजर आए। दूसरी ओर सूर्य देवता के दर्शन नहीं होने से ठंड कम होने का नाम नहीं ले रही है फसलों को भी अब नुकसान होने लगा है। आने वाले दिनों में इसी तरह का मौसम रहने की संभावना मौसम विभाग के द्वारा जाहिर की है सोमवार को हल्की बूंदाबांदी भी हुई।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

युवा नौकरी करके नौकर बनने के बजाय उधमिता प्रारंभ कर मालिक बनें : प्रमोद रघुवंशी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को नगर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय शिक्षक अशोक शर्मा, कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वावलंबी भारत अभियान के तहसील समन्वयक चरण सिंह रघुवंशी ने की तो वही विशेष अतिथि समाजसेवी शिवराज रघुवंशी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में प्रमोद रघुवंशी ने उद्बोधन दिया।

तहसील समन्वयक चरण सिंह रघुवंशी ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की अनेक योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिससे कि युवा आगे बढ़ सके एवं आत्मनिर्भर भारत में सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सके। वर्तमान सरकार देश के युवाओं के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रही है। इसीलिए सभी को आगे बढ़कर स्वावलंबी बनना चाहिए स्वयं का रोजगार उत्पन्न कर अन्य लोगों को रोजगार देना चाहिए। वही

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वावलंबी भारत अभियान के तहसील सहसमन्वयक एवं मुख्य वक्ता प्रमोद रघुवंशी ने कहा को युवा नौकरी करके नौकर बनने के बजाय उधमिता प्रारंभ कर देश का मालिक बनने की ओर अग्रसर है। भारत को विश्व गुरु बनने के विषय में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और युवाओं को नौकरी से ज्यादा स्वावलंबन की ओर ध्यान देना चाहिए। नौकरी करना युवाओं का प्रारब्ध नहीं है बल्कि युवाओं को उधमिता स्थापित कर स्वरोजगार के माध्यम से अपने आप को नौकरी देने वाला बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तीव्रता से बदलते आर्थिक तथा तकनीकी परिदृश्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें सामाजिक स्तर पर लगातार प्रयास करने होंगे होंगे। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं से भी सवाल जवाब किए। जिसमें छात्राओं ने उनसे पूछा कि कैसे हम पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार कर सकते हैं उन्होंने बताया कि ब्यूटी पार्लर, सिलाई मशीन, घर पर पापड़ बनाना, अचार बनाना आदि के स्वरोजगार के माध्यम से हम अपने परिवार सहित क्षेत्र का विकास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई परिवार इस तरह के व्यापार कर भी रहे लेकिन क्या हम उन प्रोडक्टों की श्रेष्ठ पैकिंग कर बड़े व्यापार में ला सकते हैं, इस पर विचार करना चाहिए। यदि हम इस पर काम करेंगे तो जल्द ही हम अपने व्यापार को नया आयाम दे सकते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूल स्टाफ सहित छात्राएं मौजूद रहीं।

मेट्रो एंकर | विधानसभा चुनाव में विरोध प्रदर्शन के बाद बिजली कंपनी के अधिकारियों ने दिया था आश्वासन

आज भी इकोदिया पंचायत के सभी गावों में बिजली के नंगे तारों से लोगों की जान को खतरा बरकरार, अधिकारी बेपरवाह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्र में कई गावों में मकानों के ऊपर से निकल रहे बिजली के तारों के कारण हर समय ग्रामीणों के ऊपर खतरा मंडराता रहता है। कई बार हादसे भी हो चुके बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों ने अभी तक इससे कोई सीख ना लेते हुए लगातार लापरवाही बरत रहे हैं। जिसके कारण कभी किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्र के ग्राम इकोदिया, बनियाढाना, चंदाढाना आदि गावों में बिजली के नगें तार कई मकानों के ऊपर से निकल रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है कई बार शिकवा शिकायत के बावजूद भी अधिकारी फार्मल्टी कर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं जबकि अभी तक ग्रामीणों को इस गंभीर समस्या ने निजात नहीं मिल सकी है।

जबकि विधानसभा चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने इसको लेकर विरोध दर्ज कराया था बावजूद इसके अधिकारी सिर्फ आश्वासन देकर चलते बने लेकिन ग्रामीणों की समस्या आज भी बरकरार है। क्षेत्र के इन गांवों के अलावा अन्य कई गांव की स्थिति इससे और भी वत्तर है, बावजूद इसके बिजली कंपनी के अधिकारी

मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। बिलों के नाम पर मोटी रकम तो खूब ले रहे हैं लेकिन लोगों को मिलने वाली अटल ज्योति के माध्यम से बिजली नहीं मिल पा रही है ग्रामीणों का आरोप है कि 24 घंटे मिलने वाली बिजली सिर्फ चार से पांच घंटे ही मिल पा रही है। उसमें भी लगातार खतरा बना रहता है कि कहीं बच्चे छत पर जाकर इन नंगे तारों से हाथ ना लगा दें तो कई लोगों को डर बना रहता है कि तेज हवा या बारिश में यह नंगे तार टूट कर छत या टपरे पर ना गिर जाए नहीं तो पूरे घर में करंट आ सकता है कई बार लोगों को करंट भी लग चुका है फिर भी अधिकारी मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

तेज तूफान व बारिश में गिर सकती है तारें

विद्युत के इन नगें तारों को लगाने का कार्य वर्षों पूर्व किया गया था। हालांकि उस समय यह खाली जगह पड़ी हुई थी लेकिन धीरे-धीरे लोगों ने अपने मकान बना लिए, जिसके कारण अब उक्त जगह पर गांव का एक बहुत बड़ा हिस्सा मकानों में तब्दील हो गया है। जिसके कारण बिजली के यह नंगे तार अब गांव में लोगों के मकानों के ऊपर दिखाई देते हैं। ग्रामीण अभिनंदन का कहना है कि हमने मकान तो बना लिया है लेकिन हमने छत पर जाने के लिए सीढ़ी नहीं लगाई है, क्योंकि यदि सीढ़ी लगाते हैं, तो कोई भी कभी भी ऊपर जा सकता है यदि ऐसे में बच्चे ऊपर चले गए तो बड़ा हादसा हो जाएगा। इसीलिए गांव के कई मकानों में लोगों ने बनने के बाद भी सीढ़ी नहीं लगाई हैं, और यदि कुछ लोगों ने सीढ़ी लगाई भी है तो वर्तमान में वह बंद है कि कोई छत पर ना जा सके।

गांव-गांव पहुंची केबल लाइन फिर इकोदिया में क्यों नहीं

क्षेत्र के अनेकों गांव में शासन की योजना अनुसार केवल लाइनों का विस्तार हो चुका है, लेकिन आज भी इकोदिया पंचायत के सभी गावों मैं स्थिति वद से बद्तर है। बिजली कंपनी की लापारवाही के कारण झूलते नंगे तारों की वजह से लगातार हादसे हो रहे हैं इतनी बड़ी समस्या वर्षों से बरकरार है। फिर भी ना तो स्थानीय जनप्रतिनिधि इस और कोई ध्यान दे रहे हैं और ना ही जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्रवाई कर रहे हैं। जबकि कभी भी विद्युत के इन तारों के टूटकर गिर जाने से हादसा हो सकता है। क्षेत्र में कई जगहों पर तो घनी आबादी के बीच विद्युत तारें निकल रही है। साथ ही वर्षों पुरानी लाइनों की समय पर मेंटीनेंस नहीं होने के कारण चिंगारियां निकलती रहती है। जिनके कारण हमेशा हादसे का डर बना रहता है।

इनका कहना है

बिजली कंपनी का अधिकारियों को कई बार अवगत करा चुके हैं फिर भी अधिकार ईश्वर कोई ध्यान नहीं देते इस बार विधानसभा चुनाव के दौरान विरोध के बाद इन अधिकारियों ने आश्वासन दिया था लेकिन उसके बाद आज तक देखने तक नहीं आए। स्थिति यह है कि कभी भी तार टूटकर घर पर गिर सकते हैं हमेशा घर के अंदर रहने वाले लोगों को अपनी जान का खतरा बना रहता है।

खिलान सिंह *अहिरवार ग्रामीण*

घरों के ऊपर से वर्षों से निकले बिजली के इन नंगे तारों के कारण कई बार घटना घटित हो गई है। हमारे मकान बन चुके हैं लेकिन हम छत पर जाने के लिए सीडी नहीं लगा पा रहे हैं क्योंकि घर का कोई सदस्य छत पर ना चला जाए हर दिन इन तारों के कारण हादसे का भय बना रहता है। तेज हवा, बारिश व तूफान में स्थिति और भी खराब हो जाती है।

अर्जुन सिंह *ग्रामीण*

यदि विद्युत कंपनी की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को परेशानी हो रही है, तो हम दिखावाते हैं जांच के बाद नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

हर्षल चौधरी *एसडीएम सिरोंज*

एसए-20 टूर्नामेंट 10 जनवरी से होगा शुरू, 10 फरवरी को फाइनल

नईदिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका की फ्रैंचाइज लीग एसए-20 ने अपनी प्राइस मनी घोषित कर दी है। लीग की कुल प्राइस मनी 31 करोड़ रुपए है। जिसमें लीग की विनिंग टीम को 15 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, रनर-अप टीम 7.3 करोड़ रुपए ले कर जाएगी। लीग ने इंडिविजुअल अवॉर्ड के लिए भी प्राइस मनी घोषित की है। प्लेयर ऑफ द सीजन को सबसे ज्यादा 15.5 लाख रुपए मिलेंगे। यह लीग का दूसरा सीजन होगा। इसकी शुरुआत 10 जनवरी से होगी और फाइनल मुकाबला 10 फरवरी को खेला जाएगा। एसए-20 लीग का सीजन-2 10 जनवरी से शुरू होगा। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न कैप और जोबर्ग सुपरकिंग्स के बीच पहला मैच खेला जाएगा। 6 टीमों के बीच 4 फरवरी तक लीग स्टेज के 30 मैच होंगे। 6 फरवरी को क्वालिफायर-1, 7 फरवरी एलिमिनेटर और 8 फरवरी को क्वालिफायर-2 खेला जाएगा। क्वालिफायर-1 और क्वालिफायर-2 की विजेता टीमों के बीच 10 फरवरी को सीजन-2 का फाइनल खेला जाएगा। सभी मुकाबले आईपीएल की तरह होम और अवे फॉर्मेट में ही खेले जाएंगे।

मुकाबले आईपीएल की तरह होम और अवे फॉर्मेट में ही खेले जाएंगे

एसए-20 का पहला सीजन 10 जनवरी से 12 फरवरी 2023 तक खेला गया था। सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने फाइनल में प्रीटोरिया कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। फाइनल मुकाबला जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खेला गया। रूलोफ वान डर मेर्व प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। जबकि सनराइजर्स के कप्तान ऐडन मार्करम को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

लीग की सभी 6 टीमों के मालिक आईपीएल वाले

एसए-20 में 6 टीमें हिस्सा लेती हैं, सभी के मालिक आईपीएल में हिस्सा लेने वाली 6 टीमों के ही मालिक हैं। एसए20 की 6 टीमें प्रीटोरिया कैपिटल्स, जोबर्ग सुपर किंग्स, सनराइजर्स ईस्टर्न कैप, पार्ल रॉयल्स, डरबन सुपर जायंट्स और एमआई केप टाउन हैं। टीमों के लोगों भी आईपीएल टीमों की तरह ही हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में होगी खिलाड़ियों की वापसी

बुमराह, जडेजा व शमी को आगामी सीरीज के मद्देनजर दिया है आराम

नईदिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन टी20 मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह को जगह नहीं मिली है. स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं होंगे. टीम में इन तीनों खिलाड़ियों का नाम नहीं होने के बाद फैंस के मन में यह सवाल था कि कहीं इन्हें ड्रॉप तो नहीं किया गया है. लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से साफ कर दिया है कि इन तीनों खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के मद्देनजर आराम दिया गया है. वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पूरी तरह से रिकवर नहीं होने के चलते टीम का हिस्सा नहीं बन पाए. जसप्रीत बुमराह को गंभीर चोट की वजह से करीब एक साल तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहना पड़ा. बुमराह हालांकि पिछले साल हुए एशिया कप के जरिए क्रिकेट के मैदान पर सफल वापसी करने में कामयाब रहे. इसके बाद से जसप्रीत बुमराह लगातार टीम इंडिया का हिस्सा बने हुए हैं. बुमराह ने एशिया कप और वर्ल्ड कप के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन किया. वर्कलोड मैनेज करने के लिए बुमराह को अब आराम दिया है।

जसप्रीत बुमराह

जडेजा और बुमराह दोनों चोट के कारण टीम से बाहर हैं अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा गेंदबाज बुमराह की जगह टीम में शामिल किया जाएगा। फिलहाल भारतीय टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर इस स्लॉट के लिए संभावित उम्मीदवार हैं। बता दें कि वर्ल्ड कप में भारत का पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ है। वहीं, भारत ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ क्रमशः 17 और 19 अक्टूबर को दो अभ्यास मैच खेलेगा।

मोहम्मद सिराज

मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा टेस्ट सेटअप का अहम हिस्सा हैं. इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की भी टी20 सीरीज से आराम दिया गया है. इसी महीने के अंत में खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में सिराज और जडेजा की वापसी होगी. मोहम्मद शमी की वापसी भी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ही मुमकिन है. शमी वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे. लेकिन चोटिल होने के चलते शमी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर नहीं जा पाए. हालांकि इसी महीने के अंत तक मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी होने की पूरी संभावना है।

रवींद्र जडेजा

टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को चोट के चलते बाकी बची टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। जडेजा के ही दम पर भारतीय टीम ने आखिरी वनडे और पहला टी20 मैच जीता है, लेकिन वे अब चोट की वजह से आगे सीरीज नहीं खेल पाएंगे। रवींद्र जडेजा के टी20 टीम से बाहर होने के बाद तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। बीसीसीआइ ने कहा कि जडेजा निगरानी में हैं और शनिवार को जरूरत पड़ने पर उन्हें व स्कैन के लिए ले जाया जाएगा। जडेजा, जिन्होंने भारत को 161 रनों के शानदार स्कोर तक पहुंचाया था।

रवि शास्त्री ने दोनों खिलाड़ियों के चोटिल होने पर दिया बयान

कोचिंग बियोंड के लॉन्च पर रवि शास्त्री ने बुमराह की चोट को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि, आजकल इतना क्रिकेट खेला जा रहा है इसलिए लोग घायल हो जाते हैं। बुमराह भी चोटिल है, लेकिन यह किसी और खिलाड़ी के लिए एक बड़ा अवसर है। आप चोट का कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि हमारी टीम में बहुत ताकत है और टीम बेहद ही मजबूत है। मेरा हमेशा से मानना है कि अगर आप सेमीफाइनल में पहुंचते हैं, तो यह टूर्नामेंट किसी भी टीम का हो सकता है। आपको बस अच्छी शुरुआत करने की जरूरत है फिर, सेमीफाइनल में पहुंचने की,और फिर आपको शायद वर्ल्ड कप जीतने के लिए वो ताकत मिल जाएगी। बुमराह और जडेजा का नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है लेकिन यह एक नए चैंपियन को ढूंढ निकालने का बड़ा अवसर है। जहां जडेजा और बुमराह का टूर्नामेंट न खेलना भारतीय टीम के लिए एक सिर दर्द बना हुआ है, वहीं पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री इस बात से बेहद ही खुश हैं। दरअसल, उनका मानना है कि आगामी टूर्नामेंट एक बड़ा अवसर हैं जहां भारत को नए चैंपियन को खोज निकालना होगा।

शतक जड़ने वाला बल्लेबाज भी बाहर

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में शतक ठोकने वाले विकेटकीपर केएल राहुल को इस सीरीज से बहार रखा है. उनकी जगह जितेश शर्मा व संजू सैमसन को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया है। रवींद्र व जसप्रीत बुमराह के वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने पर खुश क्यों है रवि शास्त्री, बड़ी वजह आई सामने रवि शास्त्री इस बात से बेहद ही खुश हैं। उनका मानना है कि आगामी टूर्नामेंट एक बड़ा अवसर हैं जहां भारत को नए चैंपियन को खोज निकालना होगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 20-20 वर्ल्ड कप के लिए 6 अक्टूबर को रवाना हो चुकी है। हालांकि टीम में रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह की कमी काफी खल रही होगी क्योंकि अपनी-अपनी चोट के कारण दोनों महत्वपूर्ण खिलाड़ी वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं।

29वां आईईएस- डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ शुरू

भोपाल, एजेंसी

29वां आईईएस डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट के मुकाबले मंगलवार से शुरू हो गया है। सभी मैच ओल्ड कैंपियन मैदान पर खेले जाएंगे। इसका औपचारिक उद्घाटन बीच में किसी दिन होगा। प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक मैच 20-20 ओवर के होंगे। विजेता टीम को एक लाख रुपए का नगद का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि उपविजेता को 50 हजार रुपए मिलेंगे। आज के मैच दैनिक भास्कर बनाम पत्रिका सुबह 9 बजे से, जनचर्चा बनाम हमीदिया इलेवन 1 बजे से हुआ।

मेट्रो बाजार

सोने की कीमत में गिरावट चांदी साढ़े 71 हजार पर

मुंबई, एजेंसी

सोने के दामों में अब गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 223 रुपए सस्ता होकर 62,317 रुपए पर आ गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 46,738 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। चांदी 23 रुपए बढ़कर होकर 71,573 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 71,550 रुपए पर थी। बीते महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी। साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एक्स्पर्ट्स के अनुसार, 2024 में भी सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसके चलते इस साल सोना 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं अगर चांदी की बात करें तो ये 85 हजार रुपए प्रति किलो तक जा सकती है। अगर आप सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि वो ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही हो। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होता है।

ओप्पो रेनो-11 स्मार्टफोन सीरीज 12 जनवरी को लॉन्च

नईदिल्ली। चाइनीज टेक कंपनी ओप्पो 12 जनवरी को ओप्पो रेनो 11 सीरीज स्मार्टफोन लॉन्च करेगी। ओप्पो के इस अपकमिंग स्मार्टफोन सीरीज में दो स्मार्टफोन्स ओप्पो रेनो 11- 5 जी और ओप्पो रेनो 11- प्रो 5 जी लॉन्च होंगे। कंपनी ने हाल ही में इसके लॉन्च डेट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। रेनो 11-प्रो में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8200 प्रोसेसर, 50 जीबी+ 32 जीबी+8जीबी का कैमरा सेटअप और फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 4,600 एमएच की बैटरी मिल सकती है। वहीं, इसके बेस बैरिएंट यानी रेनो 11 5 जी स्मार्टफोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7050 SoC प्रोसेसर और फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5000 एमएएच की बैटरी पैक कंपनी दे सकती है। सीरीज के बेस वैरिएंट का प्राइस 28,000 और रेनो 11-प्रो की कीमत 35,000 हो सकती है। कंपनी ने स्मार्टफोन सीरीज के लॉन्च डेट की जानकारी के साथ इसके प्रोसेसर, कैमरा, चार्जिंग सपोर्ट और करल ऑप्शन की जानकारी के आलावा कोई अन्य इंफॉर्मेशन नहीं दी है। हालांकि, यह सीरीज पिछले साल नवंबर में चीन में डेब्यू कर चुका है और मीडिया में इसके अन्य स्पेसिफिकेशन मौजूद हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

जावेद अख्तर ने 'एनिमल' में रणबीर के सीन पर जताई आपत्ति, अब मेकर्स ने दिया जवाब

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचा रखी है। इस फिल्म के एक डायलॉग पर हाल ही में जावेद अख्तर ने आपत्ति जताई थी और इस फिल्म के हिट होने को खतरनाक बताया था। अब मेकर्स ने गीतकार के उन बयान पर अपना करारा रिएक्शन दिया है और कहा है- यही किसी महिला ने किया होता तो आपलोग नारीवाद का जश्न मनाते। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने जहां बॉक्स ऑफिस पर जमकर झंडे गाड़े हैं वहीं इसके कंटेंट के खिलाफ जब-तब खूब आवाजें भी उठी हैं। फिल्म के कुछ सीन पर काफी लोगों ने आपत्ति जताई, जिनमें से एक नाम जावेद अख्तर का भी है। जावेद अख्तर ने हाल ही में फिल्म एनिमल में रणबीर के उस सीन पर आपत्ति जताई थी जिसमें उन्होंने तृप्ति डिमरी के किरदार को जूते चाटने को कहते हैं। उन्होंने इस फिल्म के हिट होने को खतरनाक बताया था और अब मेकर्स ने उन्हें उनके इसी रिएक्शन पर उन्हें करारा जवाब भी दिया है। बता दें कि एनिमल रिलीज के साथ ही इस फिल्म के खिलाफ काफी आवाजें उठीं। इसके कई सीन को महिला विरोधी बताया गया। अब फेमस गीतकार जावेद अख्तर ने हाल ही में फिल्म के एक सीन को लेकर बयान दिया, जिसपर अब विवाद शुरू हो गया है। जावेद अख्तर ने कहा कि फिल्म में मेरे जूते चाटो जैसे डायलॉग के बाद अगर ये बॉक्स ऑफिस पर सफल रही तो ये खतरनाक है। उनके बयान पर अब मेकर्स का भी गुस्सा दिख रही है। एनिमल प्रड्यूसर ने कहा कि अगर 'मेरे जूते चाटो' वाला डायलॉग एक महिला का होता तो इसे नारीवाद के तौर पर सराहा जाता। यहां बता दें कि इस सीन में रणबीर कपूर के किरदार को जब जोया यानी तृप्ति डिमरी से धोखा मिलता है तब वो उनसे ये बातें कहते दिखते हैं। जावेद अख्तर को मिला जवाब, कहा- प्रेम को लिंग की राजनीति से आजाद रहने दीजिए।

अर्जुन से दूर नहीं हुई मलाइका अरोड़ा, वीडियो किया शेयर

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने रिलेशनशिप को लेकर खबरों में रहते हैं. लंबे वक्त से इनके ब्रेकअप की अटकलें लगाई जा रही हैं. हाल में सोशल मीडिया पर अर्जुन-मलाइका को लेकर ये दावा किया गया था वे दो महीने पहले एक-दूसरे से अलग हो गए थे. अब इन दावों के बीच मलाइका ने अपने लव बॉय संग एक वीडियो शेयर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है. जी हां! मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट में अर्जुन कपूर संग एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में अर्जुन कपूर अपने अजीज दोस्त रणवीर सिंह के साथ डिजे बन कर मस्ती करते हुए दिख रहे हैं. इस वीडियो को शेयर करते हुए मलाइका ने अर्जुन को बेहद कूल कहा है. बताया जा रहा है कि ये वीडियो अर्जुन मलाइका के एक दोस्त की शादी समारोह कहा है. जहां अर्जुन-मलाइका एक साथ शामिल हुए थे. इस बीच इस वीडियो के जरिए मलाइका ने अर्जुन से अलग होने की अफवाहों पर बड़े स्टाइल से विराम जरूर लगा दिया है. इसके साथ ही ये सबूत भी दे दिया है कि ले अभी भी प्यार में हैं. बता दें कि हाल में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दो महीने पहले मलाइका और अर्जुन का ब्रेकअप हो गया था लेकिन अब दोनों के बीच फिर से सुलह हो गई है.

पंकज त्रिपाठी का खुलासा... गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद असली गैंगस्टर्स उन्हें मानने लगे थे आदर्श

अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' साल 2012 की सबसे चर्चित फिल्म थी। इस फिल्म के दोनों पार्ट को न सिर्फ दर्शकों ने पसंद किया, बल्कि समीक्षकों ने भी इसे खूब सराहा। इस फिल्म के हर किरदार ने अपनी छाप छोड़ी, जिसकी लिस्ट काफी लंबी है। इस फिल्म से पंकज त्रिपाठी को भी बड़ा ब्रेक मिला था। फिल्म पंकज ने एक खूंखार कसाई सुल्तान कुरेशी की भूमिका निभाई थी। पंकज की इस भूमिका को दर्शकों ने खूब पसंद किया आलम यह रहा कि वास्तविक जीवन के गैंगस्टरों ने उनसे संपर्क करने लगे थे। हाल ही में पंकज ने एक साक्षात्कार में इसका खुलासा किया। पंकज त्रिपाठी इस समय बॉलीवुड के सबसे सफल और प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक हैं। फिलहाल वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'मै अटल हूं' को लेकर चर्चा में हैं।

पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'मैं अटल हूं' 19 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसे मराठी सिनेमा के जाने माने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक रवि जाधव ने निर्देशित किया है। फिल्म की कहानी ऋषि विरमानी और रवि जाधव ने मिलकर लिखी है।

पंकज को अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर में बड़ा ब्रेक मिला था। फिल्म में वे कसाई की भूमिका में थे, जो लोगों को खूब पसंद आया। अब पंकज ने अपनी भूमिका को लेकर दिलचस्प खुलासा किया है। एक साक्षात्कार में पंकज ने कहा, फिल्म हिट के बाद कई रियल गैंगस्टर ने मुझसे संपर्क किया था। उस समय उत्तर और दक्षिण भारत के कई गैंगस्टर मुझे अपना आदर्श मानने लगे थे। पंकज ने बताया कि फिल्म में मेरा सुल्तान कुरैसी का किरदार लोगों को खूब पसंद आया था। उन्होंने कहा, उन्हें लगा कि सुल्तान जो फिल्म में बोलता है वही करता है और फिल्म में उसका किरदार भी अच्छा है। इसलिए उन्हें सुल्तान बहुत पसंद आया।% पकंज ने आग कहा, इसके बाद उन्हें स्क्रिप्ट सुनाने आने वाले कई लेखक उनसे डरने लगे थे। वे सोचते थे कि शायद मेरी जेब में चाकू होगा। कई लेखक को ऐसा भी लगता था कि कहानी सुनाने के दौरान मैं कहीं चाकू ना निकाल लूं।

नव वर्ष मिलन समारोह

टेंट व्यापारियों ने नव वर्ष मिलन समारोह धूमधाम से मनाया। फेडरेशन ऑफ एम पी टेंट एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी रिंकू भटेजा ने बताया कि फेडरेशन का नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव अनिल राव जी की अध्यक्षता में यशोदा गार्डन नरेला शंकरी में संपन्न हुआ।

विवाद के बाद युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सुभाष कालोनी में तीन बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना रविवार शाम की बताई?जा रही है। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती?कराया गया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार संजय धानक पिता बाबूलाल धानक (23) गांव गंगा पिपलिया, बैरसिया का रहने वाला है। वह औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन में काम करता है और सुभाष कॉलोनी में रहता है। उसने पुलिस को बताया कि अनुराग उर्फ?रॉकी, अर्जुन रायकवार और देवेश से उसका पुराना विवाद है। विवाद के चलते रविवार शाम आरोपियों ने उसे घर के पास रोक लिया और गालीगलौज करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू का गहरा घांव लगने से उसकी हालत नाजुक बनी हुई?है। पुलिस ने उक्त मामले में अनुराग उर्फ?रॉकी, अर्जुन रायकवार और देवेश के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

अवैध बालगृह मामला : परिजन ने किया जमकर हंगामा, सड़क पर बैठे, दो बार पुलिस बल बुलाया

39 बच्चियां परिजन को सौंपी, 2 के नहीं पहुंचे माता-पिता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के निरीक्षण के बाद सामने आए अवैध आंचल बालगृह के मामले में रेस्क्यू की गई बच्चियों परिजन को सौंप दिया गया है। सोमवार देर रात सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने और काउंसलिंग के बाद बाल कल्याण समिति ने 39 बच्चियों को परिजन को सौंपा है। वहीं 2 बच्चियों के माता-पिता उन्हे लेने के लिए नहीं पहुंचे। न ही कोई परिजन दस्तावेज प्रस्तुत कर सका। ऐसे में इन दो बच्चियों को फिलहाल बाल गृह में रखा गया है। मामले में बाल आयोग के निरीक्षण के दौरान बाल गृह में नहीं 26 बच्चियां अब सामने आ गई है। जिसके बाद बाल कल्याण समिति ने पुलिस को पत्र लिखकर बच्चियों और उनके परिजन को प्रस्तुत करने की बात कही है।

सुबह ही पहुंच गए थे परिजन

बाल कल्याण समिति की निगरानी में इन बच्चियों को शहर के अलग-अलग बालगृह में रखा गया था। परिजन को सोमवार को दस्तावेजों के साथ बुलाया गया था। इस दौरान सुबह से ही बड़ी संख्या में परिजन बाल कल्याण समिति के कार्यालय पर पहुंच गए थे। जिसके बाद परिजन ने जमकर हंगामा किया। सुबह से शाम तक कई बार विवाद की स्थिति बनी। जिसके कारण दो बार पुलिस बल बुलाना पड़ा, जिसके बाद परिजन शांत हुए।

प्रक्रिया रात करीब 9 बजे तक चलती रही

बच्चियों को सौंपने की प्रक्रिया रात करीब 9 बजे तक चलती रही। दस्तावेजों के सत्यापन और अन्य कार्यवाही के बाद 39 बच्चियां परिजन को सौंपी गईं। मामले में अब तक बच्चियों की तीन स्तर पर काउंसलिंग और बयान हुए हैं। बाल कल्याण समिति और बाल देखरेख संस्थाओं द्वारा भी बच्चियों की काउंसलिंग कराई गई है। वहीं पुलिस ने भी सभी बच्चियों के बयान दर्ज किए हैं।

प्रशासन ने जांच की तेज

इधर मामले में आंचल बालगृह की पड़ताल प्रशासन ने तेज कर दी है। विदेशों से होने वाली फंडिंग की आशंका में सोमवार को टीम ने संस्था के बैंक खातों का रिकार्ड खंगाला। बताया जा रहा है कि फिलहाल टीम को पूरे दस्तावेज नहीं मिले हैं, जिसके कारण स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। बता दें कि मामले में कलेक्टर द्वारा जांच के लिए तीन अलग-अलग टीमें बनाई हैं। हालांकि पूरे मामले में अवैध रूप से किए गए निर्माण को लेकर कार्रवाई तय मानी जा रही है।

ई रिक्शे से बैटरी चुराने वाला गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन पुलिस ने हिनोतिया में घर के सामने खड़े ई रिक्शे से बैटरी चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की चार बैटरी बरामद की है। पुलिस आरोपी से अन्य चोरी की वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार विजय पवार पिता हेमराज पवार (22) लक्ष्मीपुरी हिनोतिया, अशोका गार्डन में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह ई रिक्शा आटो चलाता है। 5 जनवरी की रात करीब 11 बजे उसने अपना ई रिक्शा अपने घर के बाहर खड़ा किया था। इसके बाद वह परिवार के साथ बाहर चला गया। वहां से 8 जनवरी को लौटा तो बाहर खड़े ई रिक्शा में लगी 4 बैटरी नहीं थी। उसने घटना की शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस ने चोरी का प्रकरणदर्ज कर आरोपी की तलाश की।

फाइल फोटो

इस दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोहेल खान (22) निवासी सोनिया गांधी कालोनी, ऐशबाग को गिरफ्तार कर लिया। बैटरी के बारे में पूछताछ करने पर उसने पहले तो गुमराह किया, फिर बाद में बैटरी चोरी करना स्वीकार लिया।

ऑटो चालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित पुरानी बस्ती में बीती रात आटो चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार करण सिंह परमार पिता स्वर्गीय प्रेम सिंह परमार (50) मकान नंबर 163, पुरानी बस्ती बागसेवनिया में रहता था और आटो चलाता था। बीती रात करीब पौने 12 बजे के आसपास उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फांसी के फंदे से उतारकर एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है।

फाइल फोटो

मेट्रो एंकर रानी कमलापति स्टेशन की घटना

शताब्दी का स्मोक अलार्म बजा, यात्री डरे जांच में केबल कटे व चूहे मरे हुए मिले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस के रानी कमलापति स्टेशन से शाम करीब साढ़े चार बजे रवाना होते ही सी-7 कोच में स्मोक अलार्म बज उठा। इससे यात्री भी दहशत में आ गए। तुरंत ट्रेन को रोका गया। घटना कल की है।

दरअसल आग लगने पर स्मोक अलार्म बजता है, लेकिन यहां स्मोक अलार्म की वायरिंग में ही शार्ट सर्किट होने से चिंगारी और धुआं निकलने लगा था और सेंसर तक पहुंचते ही फायर अलार्म बज उठा। इस दौरान ट्रेन के टीटीई मनीष दुबे ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दी और रेलवे कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी।

शताब्दी एक्सप्रेस में में धुआं देखकर यात्री भी परेशान हो गए और उनमें अफरा-तफरी मच गई। हालांकि ट्रेन स्टाफ ने यात्रियों को समझाकर शांत कराया और टेक्निकल स्टाफ ने शार्ट सर्किट को ठीक किया। यहां पर रेलवे के इंजीनियरों ने शार्ट सर्किट वाली जगह को देखा तो वहां तीन चूहे मरे हुए मिले। बताया जाता है कि रानी कमलपति स्टेशन पर तकनीकी टीम ने समस्या का समाधान किया और ट्रेन शाम पांच बजे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुई। भोपाल मंडल के प्रवक्ता सूबेदार सिंह ने बताया कि रानी कमलपति स्टेशन के पास धुएं के कारण अलार्म बजने लगा था। मैकेनिक ने पैनल खोला तो पता चला कि केबल के तार कटे हुए थे और तीन मरे हुए चूहे भी पड़े थे। तकनीकी टीम ने वायरिंग की मरम्मत कर दी। इस तरह जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया गया।

कल तक कर सकेंगे जनजातीय विशिष्ट आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन

भोपाल। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित प्रदेश के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं की 8447 सीटों की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी कर दी है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर और आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिये 11 फरवरी 2024 को सुबह 10 बजे परीक्षा आयोजित होगी। प्रवेश-पत्र 29 जनवरी से डाउनलोड किए जा सकेंगे।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन प्रदेश में संचालित 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में 6वीं कक्षा में 3615 सीटें हैं। प्रदेश के 81 कन्या शिक्षा परिसर में कुल 4552 बालिकाओं के लिये और 8 आदर्श आवासीय विद्यालयों में कुल 280 सीटें हैं। मेरिट सूची में चयनित एवं न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने विकल्प के अनुसार विद्यालयों में रिक्त सीट के विरुद्ध प्रवेश के लिये पात्र होंगे। विभागीय वेबसाइट https://www.tribal.mp.gov.in/MPTAAS के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022